

हरिभूमि

समाचार ही नहीं, विचार भी

बिलासपुर, रविवार 6 सितंबर 2026

जाती है, जबकि इस जघन्य हत्याकांड के पीछे मौजूद 'अपराधिक राजनीतिक षडयंत्र' की तह तक पहुंचना अभी बाकी है। उन्होंने मांग की है कि सुरक्षा वापस लेने और आईबी अलर्ट की अनदेखी करने वाले तत्कालीन ►► शेष पेज 8 पर

माजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने झीरम घाटी नक्सली हमले के मामले में एफआईआर को विशेष अदालत द्वारा दिए गए ऐतिहासिक निर्णय व स्वागत किया है। यह फैसला उन सभी 31 निर्दोष नागरिकों, सुरक्षाकर्मियों और वरिष्ठ नेताओं की आत्मा को शांति प्रदान करने वाला है, जिन्होंने 25 मई 2013 को माओवादी आतंक के **►► शेष पेज 8 पर**



झीरम पर एकआईए के कथन का स्वागत करते हुए वन मंत्री कैदर कश्यप ने कहा, ऐसी बटलाओ पर रोक लगनी चाहिए। कांग्रेस पार्टी के बड़े नेताओं समेत कई लोग झुम्मे शहीद हुए। एकआईए ने पूरे प्रमाल को जांच कर रिपोर्ट कोर्ट के सामने रखी। उसके आधार पर जो भी दूधो पाए जाए, उस पर कार्यवाई की गई है। कांग्रेस के जेथे-अधोपाधो के आरोपों पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस को ब्यापिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने यहां पर जो शहीद स्मारक बनवाए हैं, उसे देख लें। यहां कितनी अत्यन्तस्था है।

☎ 91470 75332

- **प्रश्न:** खैरागढ़-बुईखदान-गंडई आपके संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है। क्या आपको लगता है कि इस जिला बनाने में भाजपा से कोई चूक हुई थी?
- **उत्तर:** कांग्रेस ने यह जिला केवल उपचुनाव जीतने की राजनीतिक मजबूरी के चलते बनाया। इससे पहले कांग्रेस के कई मुख्यामंत्री रहे, लेकिन किसी को जिले की सुध नहीं आई। चुनाव जीतने के लिए आनन-फानन में यह घोषणा की गई थी।
- **प्रश्न:** आज केसीजी जिले के वर्तमान स्वरूप और विकास कार्यों से आप कितने संतुष्ट हैं?
- **उत्तर:** कांग्रेस ने सिर्फ घोषणा कर जिला बनाया, लेकिन उसे बुनियादी ढांचे से सवारने का काम अब **उम्र शेष पेज 8 पर**

Email: daburcares@dabur.com | Toll free no. 18001031644
Also available on Amazon and daburshop.com

धमाकेदार शुरुआत के साथ छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी कॉमेडी पिक्चर



नीलजय फिल्मस ले के आवत हे

मनीष मानिकपुत्री प्रस्तुत तार मयारु लेखक-निर्देशक यशुव प्रताप सिंह छत्तीसगढ़ी फिल्म



निर्माता
प्रणय गर्ग

सह-निर्माता
निशेष त्रिपाठी

फ्रेम

डिस्ट्रिब्यूटर्स

Shubham K Mart



रायपुर हाऊसफुल



दुर्ग हाऊसफुल



बिलासपुर हाऊसफुल



भिलाई हाऊसफुल



अंबिकापुर हाऊसफुल



गोविंदा आला रे...

गुड़ियारी में दही-हांडी लूट देशभर से पहुंचीं टोलियां



हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

जन्माष्टमी के अवसर पर शनिवार को राजधानी रायपुर में जगह-जगह दही हांडी उत्सव मनाया गया। गुड़ियारी स्थित अवधपुरी मैदान में भव्य आयोजन हुआ, जहां मटकी फोड़ने के लिए देशभर से

गोविंदाओं की टोलियां पहुंची हुई थीं। देर शाम शुरू हुई प्रतियोगिता में विभिन्न टोलियां मटकी फोड़ने का प्रयास करती रहीं। बता दें कि इस बार 15 लाख रुपए का नकद पुरस्कार रखा गया था, जिसके लिए टोलियों में मटकी फोड़ने की होड़ मची हुई थी।

महिला एशिया कप: भारत ने पाकिस्तान को दी करारी शिकस्त

दुबई। विमेंस एशिया कप के 9वें मुकामले में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को एकतरफा अंदाज में 7 विकेट से हराया। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान से मिले 56 रनों के लक्ष्य को भारतीय टीम ने आसानी से 3 विकेट खोकर 8.4 ओवर में हासिल किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। शेफाली वर्मा 6 गेंदों में 12 रन



बनाने के बाद पवेलियन लौटीं। नंबर तीन पर प्रतिका रावल का फ्लॉप शो इस मैच में भी जारी रहा और वह 4 रन ही बना सकीं। स्मृति मंधाना भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और वह 9 रन बनाकर आउट हुईं।

भगत होंगे छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी, भूपेश को असम, पायलट को पंजाब की कमान

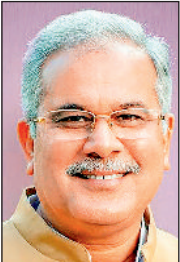
►► **एआईसीसी ने छह राज्यों के प्रदेश कांग्रेस प्रभारी बदले**

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

एआईसीसी ने छह राज्यों के प्रदेश कांग्रेस प्रभारियों को बदला है। छत्तीसगढ़, असम, पंजाब, गुजरात, महाराष्ट्र और आंध्रप्रदेश में नए प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। झारखंड से कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत को छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस का नया प्रभारी बनाया गया है, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पंजाब की जगह असम और छत्तीसगढ़ के मौजूदा प्रभारी सचिन पायलट को पंजाब की कमान सौंपी गई है। कांग्रेस महामंत्री ►►शेष पेज 8 पर



सुखदेव भगत



भूपेश बघेल



सचिन पायलट

छत्तीसगढ़ में नई टीम और नई रणनीति

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को 2023 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव में लगे झटकों के बाद संगठन को मजबूत करने की जरूरत है। 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस छत्तीसगढ़ की 11 में से केवल एक सीट जीत सकी थी। ऐसे में प्रदेश प्रमारी की भूमिका आने वाले समय में बेहद महत्वपूर्ण होगी। सुखदेव भगत को जिम्मेदारी मिलने की स्थिति में उनके सामने प्रदेश कांग्रेस के विभिन्न गुटों के बीच समन्वय कायम करने, जिला एवं ब्लॉक स्तर के संगठन को सक्रिय करने और आगामी चुनावों के लिए मजबूत चुनावी ढांचा तैयार करने की चुनौती होगी।



हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



साय ने कहा- शिक्षक वास्तव में राष्ट्र और नई पीढ़ी के निर्माता

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

शिक्षक दिवस के अवसर पर राज्यपाल रमन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने लोकभवन के छत्तीसगढ़ मंडपम में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मानित किया। राज्यस्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में वर्ष 2025-26 के लिए प्रदेश के 63 उत्कृष्ट शिक्षकों को राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। चार उत्कृष्ट शिक्षकों को राज्य शिक्षक सम्मान स्मृति पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने वर्ष 2026-27 के राज्य ►►शेष पेज 8 पर

2026-27 के राज्य शिक्षक सम्मान के लिए चयनित 64 शिक्षकों के नामों की हुई घोषणा

चार शिक्षकों को राज्य शिक्षक सम्मान स्मृति पुरस्कार

चार उत्कृष्ट शिक्षकों को विशिष्ट राज्य शिक्षक सम्मान स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के राजेश कुमार प्रजापति को डॉ. पद्मलाल पुनलाल बख्शी स्मृति पुरस्कार, कोरबा जिले के कामता प्रसाद जायसवाल को डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र स्मृति पुरस्कार, दुर्ग जिले की प्रज्ञा सिंह को डॉ. मुकुंदर पाण्डेय स्मृति पुरस्कार व सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले की प्रियंका गोस्वामी को गजानन माधव मुक्तिबोध स्मृति पुरस्कार दिया गया।



शिक्षा को संस्कार, कौशल और रोजगार

से जोड़ने पर विशेष जोर : साय

समारोह की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शिक्षक दिवस पर सभी गुरुजनों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह सम्मान शिक्षकों के समर्पण, कठिन परिश्रम, नवाचार और विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्यों का सम्मान है। शिक्षक वास्तव में राष्ट्र और नई पीढ़ी के निर्माता हैं। प्रदेश सरकार शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और प्रत्येक बच्चे तक बेहतर शैक्षणिक अवसर पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। पिछले दहाई वर्षों में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। कुतियुक्तकरण के बाद अब एक भी स्कूल शिक्षकविहीन नहीं है।

बिलासपुर में रह रहे 23 संदिग्धों की जांच में बड़ा खुलासा, सत्यापन पूरा होने तक रायपुर डिटेन्शन सेंटर भेजा

अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों पर एक्शन बिलासपुर से 23 को भेजा डिटेन्शन सेंटर

हरिभूमि न्यूज ►► बिलासपुर

राज्य शासन के निर्देश के बाद एसएसपी रजनेश सिंह ने विशेष टास्क फोर्स का गठन किया है। टीम ने बिलासपुर में संदिग्ध लोगों की पहचान और दस्तावेजों की जांच शुरू की। जिनके दस्तावेज और मूल निवास को लेकर संदेह मिला, उनके पते का संबंधित जिलों की पुलिस से सत्यापन कराया गया।

सत्यापन के लिए विशेष टीम मुर्शिदाबाद और जंगीपुर पहुंची। वहां पुलिस अधिकारियों और संबंधित थाना प्रभारियों से मुलाकात कर बिलासपुर में मिले दस्तावेज और संदिग्धों से जुड़ी जानकारी साझा की गई। इसके बाद सूची में दर्ज पतों और संबंधित व्यक्तियों के संबंध में स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाई गई। पुलिस का कहना है कि कुछ पते मौके पर गलत या वास्तविकता से मेल नहीं खाते पाए गए। प्रारंभिक जांच और दस्तावेजों के सत्यापन की प्रक्रिया के बाद सिरगिट्टी क्षेत्र में रहने वाले 23 संदिग्धों को रायपुर स्थित होल्टिंग/डिटेन्शन सेंटर भेजा गया है। यहां उनकी पहचान और दस्तावेजों का आगे सत्यापन किया जाएगा।

अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों और बिना वैध दस्तावेजों के रह रहे संदिग्ध लोगों की पहचान के लिए चलाए जा रहे अभियान में बिलासपुर पुलिस को बड़ी जानकारी मिली है। पुलिस के रिकॉर्ड में सिरगिट्टी क्षेत्र में रहने वाले 23 संदिग्धों के पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद व आसपास के इलाकों के पते दर्ज थे। इन पतों की वास्तविकता जांचने के लिए बिलासपुर पुलिस की विशेष टीम पश्चिम बंगाल पहुंची। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जांच में सूचीबद्ध कई पते मौके पर सही नहीं पाए गए।

मुर्शिदाबाद-जंगीपुर तक पहुंची बिलासपुर पुलिस की टीम स्थानीय पुलिस से भी कराया दस्तावेजों और पते का सत्यापन



सूचना के लिए टोल फ्री नंबर जारी

पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों या बिना वैध दस्तावेजों के निवास की जानकारी देने के लिए 1800-233-1905 टोल फ्री नंबर जारी किया है। आम नागरिक इस नंबर पर सूचना दे सकते हैं। पुलिस ने अभियान आगे भी जारी रखने की बात कही है।

सिरगिट्टी में इन्हें पकड़ा गया

सीव मंडल - ग्राम रामकनाईपुर, पो. पुरास्थान, थाना रघुनाथगंज, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल , सर्फीकुल इस्लाम ग्राम हीरानंदपुर, पो. निमतित, थाना समसेरगंज, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल , इजामुल शेख ग्राम साहाबाद, पो. छावघाटी, औरंगाबाद, थाना सुती, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल, नशीतुल शेख - ग्राम कुमारीपारा, पो. छावघाटी, थाना सुती, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल, सेलफ़ शेख - ग्राम कुमारीपारा, पो. छावघाटी, थाना सुती, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल , साजिद शेख - ग्राम हीरानंदपुर, पो. निमतित, थाना समसेरगंज, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल, असगर शेख - ग्राम कुमारीपारा, पो. छावघाटी, थाना सुती, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल, नसीरुद्दीन शेख - ग्राम पाड़ा दादसीरपाड़ा, पोस्ट खुडशिपारा, थाना समसेरगंज, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल, लालटू शेख - ग्राम ईमानपाड़ा, हरुआ पो. हरुआ, थाना सुती, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल , मतीन शेख - ग्राम कुमारीपारा, पो. छावघाटी, थाना सुती, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल , मुस्तकीम शेख - ग्राम हीरानंदपुर, पो. निमतित, थाना समसेरगंज, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल, मुशिकुल खां - ग्राम साहाबाद, पो. छावघाटी, औरंगाबाद, थाना सुती, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल, सर्फीकुल आलम - ग्राम साहाबाद, पो. छावघाटी, औरंगाबाद, थाना सुती, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल, जोसीम हक - ग्राम ईमान नगर, पो. लाल खादिदा, थाना रघुनाथगंज, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल, राहुल खान - ग्राम कुमारीपारा, पो. छावघाटी, थाना सुती, ►►शेष पेज 8 पर

पुलिस ने कहा-जांच के बाद स्थिति स्पष्ट होगी

बच्चा चोरी की आशंका, ग्रामीणों ने कर दी पिटाई, घायल युवक अस्पताल में भर्ती

हरिभूमि न्यूज ►► बेनेतरा/नवागढ़

नवागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम मुरता के बैकुंठपारा में शनिवार शाम करीब 7 बजे बच्चा चोरी की आशंका से हड़कंप मच गया। दो बच्चियों को कथित रूप से ले जाने की आशंका में ग्रामीणों ने एक व्यक्ति को पकड़कर पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलने पर पुलिस गांव पहुंची, लेकिन ग्रामीणों की पिटाई से घायल संदिग्ध को इलाज के लिए अस्पताल ले जाना पड़ा। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है, जिसके बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। वायरल हो रहे वीडियो में आरोपी इस काम के एवज में डेढ़ लाख रुपए मिलने की बात कह रहा है। जानकारी के अनुसार, परिवार ►►शेष पेज 8 पर

जांच के बाद स्पष्ट होगी स्थिति

थाना प्रमारी दुनेश्वर चंद्रवंशी ने बताया कि गांव वालों ने बच्चा चोरी की आशंका में एक व्यक्ति को पकड़ने की सूचना पुलिस को दी थी। पुलिस संदिग्ध को लेने गांव गई थी। पिटाई के कारण उसे चोट आई थी, जिसके चलते नवागढ़ अस्पताल ले जाया गया। हाथ में गंभीर चोट होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

देवेंद्र के साथ एक ही गाड़ी में सवार हुए महंत-टीएस, सिंहदेव देवेंद्र के निवास भी पहुंचे

यूथ कांग्रेस चुनाव के बीच देवेंद्र के साथ टीएस, महंत, टेकाम का हाथ

हरिभूमि न्यूज ►► गिलाई

छत्तीसगढ़ में इन दिनों युवा कांग्रेस अध्यक्ष पद के सं ग ठ ना त म क चुनाव की सरगमी तेज है। यूथ कांग्रेस चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव दो खेमे में बंट गए हैं। इस बीच कांग्रेस के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में नेता प्रतिपक्ष चरणदास ►►शेष पेज 8 पर



बंद कमरे में देवेंद्र व उनकी टीम के साथ हुई महान चर्चा

दुर्गों में प्रशिक्षण शिविर से निकलने के बाद देवेंद्र यादव अपनी गाड़ी में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत और पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव और प्रेम साय सिंह टेकाम को बैठाकर सेक्टर-5 स्थित अपने निवास के लिए निकले। चरणदास महंत किसी काम से बीच में रुक गए। इसके बाद सिंहदेव व टेकाम के साथ देवेंद्र अपने आवास पहुंचे। लक्ष्मीपति राजू, उनके बड़े भाई धर्मेन्द्र यादव, सुमित पवार, आदित्य सिंह, एकांश बख्श और कई अन्य नेताओं ने उनके साथ लंच किया।

MushroomAD
Mushroom Soup Powder

हेल्थी बॉडी, कॉन्फिडेंस रेडी

लाखो ग्राहकों का विश्वास

भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाला मशरूम उत्पाद

मशरूम के प्राकृतिक गुणों से भरपूर

भूख व वजन बढ़ाने में सहायक

दुबलेपन को दूर करने में सहायक

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक

गैस तथा एसिडिटी के लिए भी लाभदायक

ऊर्जावान बनाने व कॉन्फिडेंस बढ़ाने में सहायक

कमजोरी हटाने व नया खुन बनाने में सहायक

सभी मेडिकल्स में उपलब्ध For More details Trade Enquiry 9373556677, 9823286830

SS - पंकर भेंडोकार, बिलासपुर - 6261187486, नयानी एजेंसी, रायपुर - 7746832268, राजनंदराय - मंडल एजेंसी-78080616262, नारायण चित्तापानी। फ़ोन - 8889669996

भारत सरकार ने अप्रैल से जून 2026 में देश की अर्थव्यवस्था में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि बताई है। सरकार ने आधार साल इसलिए बदला क्योंकि पहले का ढांचा पुराना पड़ गया था। नए तरीके से पिछले साल का आकार छोटा दिखा, इसलिए इस साल की बढ़ोतरी बड़ी दिखी। दो अलग तरीकों को मिलाना गलत है। सरकार का दावा है कि वह अंतरराष्ट्रीय नियम तोड़ने की बजाय उनके करीब गई है-खासकर डबल डिफ्लेशन से। आम आदमी के लिए सरल बात यह है: 7.8 प्रतिशत नए मीटर से नापा गया आंकड़ा है। हालांकि, कुछ लोगों का कहना है कि यह आंकड़ा बनावटी है। पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग के अनुसार अगर पिछले साल का हिसाब पुराने तरीके से रखा जाता तो बढ़ोतरी सिर्फ करीब 2.6 प्रतिशत दिखती। यह जीडीपी पर कथित विवाद सांख्यिकी के अधूरे ज्ञान और भ्रामक मापन पद्धतियों का उपयोग करके एक नैगेटिव नैरेटिव स्थापित करने का मामला है। दो अलग-अलग आधार वर्षों वाली सीरीज के आंकड़ों को मिलाकर 2.6% का आंकड़ा निकालना सांख्यिकीय दृष्टिकोण से पूरी तरह अमान्य है। दूसरी ओर, भारत ने वैश्विक उथल-पुथल के बीच अपनी अर्थव्यवस्था की रफ्तार थामी जरूर है, लेकिन अब जरूरत इस रफ्तार को लंबे समय तक टिकाऊ, रोजगारपरक और समावेशी बनाने की है। यही आर्थिक मजबूती की असली कसौटी होगी। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

आधार वर्ष बदला, तराजू नया तो तुलना पुरानी कैसे?



विश्लेषण

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

जीडीपी का मतलब है देश में एक तिमाही या एक साल में जितना सामान और सेवाएं बनती हैं, उसकी कुल कीमत। किसान का अनाज, कारखाने की चीजें, दुकान की बिक्री, बैंक, अस्पताल, स्कूल, सब जोड़कर जीडीपी बनती है। जीडीपी दो तरह की होती है। एक है मौजूदा दामों वाली जीडीपी। इसमें महंगाई शामिल रहती है। दूसरी है असली जीडीपी। इसमें महंगाई निकाल दी जाती है। सरकार का 7.8 प्रतिशत असली जीडीपी की बढ़ोतरी है। फरवरी 2026 में सरकार ने जीडीपी नापने का तरीका बदला। पहले महंगाई शामिल रहती है। दूसरी है असली जीडीपी। इसमें महंगाई निकाल दी जाती है। सरकार का 7.8 प्रतिशत असली जीडीपी की बढ़ोतरी है। फरवरी 2026 में सरकार ने जीडीपी नापने का तरीका बदला। पहले तुलना का आधार साल 2011-12 था। अब आधार साल 2022-23 हो गया। सोचिए, पुराने तराजू की जगह नया तराजू आ गया। दोनों सही हो सकते हैं, लेकिन एक तराजू का वजन दूसरे तराजू से सीधा नहीं मिलाया जा सकता। पुराने तरीके से अप्रैल-जून 2025 की जीडीपी लगभग 86 लाख करोड़ रुपये बताई गई थी। नए तरीके से वही तिमाही लगभग 80 लाख करोड़ रह गई। इस साल अप्रैल-जून 2026 की जीडीपी नए तरीके से लगभग 88 लाख करोड़ बताई गई। अगर कोई 88 की तुलना पुराने 86 से करे तो बढ़ोतरी बहुत छोटी-करीब 2.6 प्रतिशत दिखती है। सरकार कहती है कि तुलना नए तरीके के पिछले साल यानी करीब 80 से करो। तब नाममात्र बढ़ोतरी 10.3 प्रतिशत और महंगाई निकाकर 7.8 प्रतिशत बनती है। फाइनेंशियल एक्सप्रेस के पूर्व संपादक राकेश सूद कहते हैं कि दस-बारह साल में देश बहुत बदल जाता है। पहले जो चीजें ज्यादा बनती थीं, अब उनकी जगह मोबाइल ऐप, डिजिटल पेमेंट और नई सेवाएं आ गईं। पुराने साल को आधार रखने से तस्वीर पुरानी रह जाती है।

साल सरकार ने कहा कि अप्रैल से जून 2026 में देश की अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत बढ़ी। यह सुनकर कई लोग खुश हुए। कुछ लोगों ने कहा कि आंकड़ा बनावटी है। पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग बोले कि अगर पिछले साल का हिसाब पुराने तरीके से रखा जाता तो बढ़ोतरी सिर्फ करीब 2.6 प्रतिशत दिखती। आम आदमी का सवाल साफ है कि सच क्या है? जीडीपी का मतलब है देश में एक तिमाही या एक साल में जितना सामान और सेवाएं बनती हैं, उसकी कुल कीमत। किसान का अनाज, कारखाने की चीजें, दुकान की बिक्री, बैंक, अस्पताल, स्कूल, सब जोड़कर जीडीपी बनती है। जीडीपी दो तरह की होती है। एक है मौजूदा दामों वाली जीडीपी। इसमें महंगाई शामिल रहती है। दूसरी है असली जीडीपी। इसमें महंगाई निकाल दी जाती है। सरकार का 7.8 प्रतिशत असली जीडीपी की बढ़ोतरी है। फरवरी 2026 में सरकार ने जीडीपी नापने का तरीका बदला। पहले तुलना का आधार साल 2011-12 था। अब आधार साल 2022-23 हो गया। सोचिए, पुराने तराजू की जगह नया तराजू आ गया। दोनों सही हो सकते हैं, लेकिन एक तराजू का वजन दूसरे तराजू से सीधा नहीं मिलाया जा सकता। पुराने तरीके से अप्रैल-जून 2025 की जीडीपी लगभग 86 लाख करोड़ रुपये बताई गई थी। नए तरीके से वही तिमाही लगभग 80 लाख करोड़ रह गई। इस साल अप्रैल-जून 2026 की जीडीपी नए तरीके से लगभग 88 लाख करोड़ बताई गई। अगर कोई 88 की तुलना पुराने 86 से करे तो बढ़ोतरी बहुत छोटी-करीब 2.6 प्रतिशत दिखती है।

सिंगल डिफ्लेशन था पुराना तरीका

दुनिया के ज्यादातर देश हर पांच-सात साल में आधार साल बदलते हैं। भारत में यह काम देर से हुआ, क्योंकि बीच में जोएसटी आया और कोविड पड़ा। 2022-23 इसलिए चुना गया कि वह साल ज्यादा असामान्य नहीं माना गया। सिर्फ साल नहीं बदला। अब जीएसटी के आंकड़े, गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन, सरकारी खर्च के डिजिटल रिकॉर्ड और नए कीमत सूचकांक भी इस्तेमाल होते हैं। असली जीडीपी निकालने के लिए महंगाई काटनी पड़ती है। इसे डिफ्लेशन कहते हैं। यानी दाम की हवा निकालना, ताकि पता चले कि असल में कितना ज्यादा सामान बना, सिर्फ महंगा तो नहीं हो गया। पुराना तरीका अक्सर सिंगल डिफ्लेशन था। कारखाने की तैयार चीज की कीमत से महंगाई एक बार काट दी जाती थी। दिक्कत यह है कि कारखाने का मुनाफा या मूल्य सिर्फ तैयार माल से नहीं बनता। आटा महंगा हो और रौटी सस्ती बिके, तो बेकर की कमाई घट जाती है।



दो अलग तरीकों को मिलाना गलत

जीडीपी से निकली महंगाई बाजार की महंगाई से काफी कम दिखती है। कई लोग पूछते हैं-अगर अर्थव्यवस्था इतनी तेज दौड़ रही है तो नौकरियां और आम आदमी की जेब क्यों उतनी नहीं सुधरती? रघुराम राजन जैसे अर्थशास्त्री यही पूछते हैं। कांग्रेस कहती है कि कई सालों के आंकड़े बड़ी मात्रा में घटाए गए, पूरा ब्योरा जाफ नही है। ये सवाल जायज हैं। अच्छा आंकड़ा सिर्फ ऊंचा प्रतिशत नहीं होता। समझ में आने वाला हिसाब और रोजमर्रा की जिंदगी से मेल भी चाहिए। सरकार ने आधार साल इसलिए बदला क्योंकि पुराना ढांचा पुराना

पड़ गया था। नए तरीके से पिछले साल का आकार छोटा दिखा, इसलिए इस साल की बढ़ोतरी बड़ी दिखी। दो अलग तरीकों को मिलाना गलत है। सरकार का दावा है कि वह अंतरराष्ट्रीय नियम तोड़ने की बजाय उनके करीब गई है-खासकर डबल डिफ्लेशन से। आम आदमी के लिए सरल बात यह है: 7.8 प्रतिशत नए मीटर से नापा गया आंकड़ा है। पुराने मीटर से मिलाकर निकला 2.6 प्रतिशत तुलना की गलती है। विश्वास तभी बढ़ेगा, जब हर क्षेत्र का साफ हिसाब और पुराने सालों की पूरी तुलना सबके सामने हो।

असली मूल्य-वृद्धि साफ दिखती है

सिर्फ रोटी के दाम से हिसाब लगाने पर असली हाल छिप सकता है। डबल डिफ्लेशन में दो बार काटा जाता है। एक बार तैयार माल की महंगाई काटी जाती है। कितनी रोटियां बनीं। दूसरी बार कच्चे माल की महंगाई काटी जाती है-आटा, तेल, बिजली कितने महंगे हुए। दोनों का अंतर निकालकर पता चलता है कारखाने ने असल में कितना मूल्य जोड़ा। उदाहरण से समझिए। मान लीजिए एक कारखाना पंखे बनाता है। पंखे के दाम 8 प्रतिशत बढ़े, लेकिन लोहा और मोटर 12 प्रतिशत महंगे हो गए। सिंगल तरीके में सिर्फ पंखे की महंगाई काटने से उत्पादन अच्छा दिख सकता है। डबल तरीके में महंगे कच्चे माल को भी हिसाब में लिया जाता है, इसलिए असली मूल्य-वृद्धि कम या ज्यादा साफ दिखती है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं, खासकर आईएमएफ, विनिर्माण के लिए इसी तरीके को बेहतर मानती हैं। भारत ने नई श्रृंखला में कारखानों के लिए इसे बढ़ाया है।

आधार साल बदलना आम चलन

पहले कई जगह पुराने थोक महंगाई सूचकांक पर ज्यादा निर्भरता थी। कुछ जानकार कहते हैं सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मापदंड तोड़ें। कहनी उलटी है। आईएमएफ ने पहले भारत के जीडीपी आंकड़ों को “सी” ग्रेड दिया था। कारण थे बहुत पुराना आधार साल और कमजोर नापने का तरीका। नई श्रृंखला इन्हीं कमियों को ठीक करने की कोशिश है। आधार साल बदलना नियम तोड़ना नहीं, आम चलन है। एक तिमाही में अचानक बड़ी गिरावट दिखना आम आदमी को शक दिलाता है। पूर्व मुख्य सांख्यिकी विद प्रणब सेन ने कहा कि आंकड़े फर्जी नहीं लगते, लेकिन दिखने का तरीका खराब है। पुराने गणना में अर्थव्यवस्था कुछ ज्यादा बड़ी बताई जा रही थी, नई गणना ने उसे काटा। एक ही नए तरीके के अंदर हिसाब लगाएं तो 7.8 प्रतिशत सही गणना है। 2.6 प्रतिशत तब निकलता है जब पुराना तराजू और नया तराजू मिला दिए जाएं। सांख्यिकी में यह मिलावट गलत मानी जाती है।

उथल-पुथल के बावजूद नहीं थमी अर्थव्यवस्था की रफ्तार



आर्थिकी

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

आज भारत विश्व का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। इतनी बड़ी आबादी वाले देश को आर्थिक और सामाजिक स्तर पर संभालना अपने आप में बड़ी चुनौती है। भारत की आबादी कई देशों की कुल आबादी से भी अधिक है और कई देशों की आबादी जितनी है, उतनी हमारे एक राज्य की आबादी है। इसके बावजूद वैश्विक स्तर पर युद्ध, ऊर्जा संकट, महंगाई, सप्लाई चैन में व्यवधान और व्यापारिक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपेक्षाकृत मजबूत रफ्तार बनाए रखी है। अप्रैल-जून 2026 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत रही, जो बाजार और आरबीआई के अनुमान से भी अधिक थी। यह आंकड़ा बताता है कि वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भी भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था में मजबूती बनी हुई है। भारत की अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल घरेलू बाजार है। पहली तिमाही में निजी खपत करीब 7.1 प्रतिशत बढ़ी। इसका अर्थ है कि वैश्विक मांग कमजोर होने के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था पूरी तरह निर्यात पर निर्भर नहीं है। देश के भीतर बढ़ती खपत आर्थिक गतिविधियों को लगातार सहारा दे रही है। सड़क, रेलवे, बंदरगाह, मेट्रो, बिजली और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में सरकारी निवेश लगातार बढ़ा है। इससे निर्माण क्षेत्र के साथ-साथ उससे जुड़े उद्योगों में भी मांग पैदा हुई है। अप्रैल-जुलाई 2026 में केंद्र सरकार का पूंजीगत खर्च करीब 30 प्रतिशत बढ़ा। यह निवेश केवल तत्काल आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा नहीं देता, बल्कि भविष्य की उत्पादन क्षमता और रोजगार के लिए भी आधार तैयार करता है। अब केवल सरकार ही निवेश का इंजन नहीं है। अप्रैल-जून तिमाही में निजी निवेश में करीब 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई और गॉस फिक्स्ड कैपिटल फॉर्मेशन यानी जीएफसीएफ जीडीपी के 34.3 प्रतिशत तक पहुंच गया। निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी अर्थव्यवस्था के विस्तार को अधिक टिकाऊ बनाने का कार्य हुआ है। मैक्रोफैक्टरिंग क्षेत्र में करीब 9.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि वित्तीय, रियल एस्टेट और आईटी से जुड़े क्षेत्रों में लगभग 12.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। भारत की मजबूत सॉलिड अर्थव्यवस्था वैश्विक आर्थिक झटकों के खिलाफ एक सहचरपूर्ण सुरक्षा कवच बनकर उभरी है। डिजिटल भुगतान, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और बैंकिंग प्रणाली के विस्तार ने अर्थव्यवस्था के बड़े हिस्से को औपचारिक बनाने में मदद की है। इससे टैक्स संग्रह, क्रेडिट की उपलब्धता और कारोबार की गिरावटी में सुधार हुआ है। जीसीआरएफ ने भी जीएसटी और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को भारत की आर्थिक मजबूती के महत्वपूर्ण आधारों में शामिल किया है। जीडीपी की 7-8 प्रतिशत वृद्धि निश्चित रूप से अच्छी खबर है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या इस आर्थिक वृद्धि का पर्याप्त लाभ रोजगार और आम लोगों की आय में भी दिखाई दे रहा है? यही भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। तेज आर्थिक वृद्धि को बड़े पैमाने पर गुणवत्तापूर्ण रोजगार में बदलना होगा। मजदूरी में वृद्धि और लोगों की दायीं शक्ति बढ़ाना भी उतना ही जरूरी है। केवल जीडीपी का बढ़ना पर्याप्त नहीं है, जब तक उसका लाभ समाज के व्यापक हिस्से तक नहीं पहुंचता। भारत को वैश्विक मैक्रोफैक्टरिंग हब बनने के लिए लॉजिस्टिक्स, बिजली, जमीन और नियामकीय बाधाओं को कम करना होगा। छोटे और मध्यम कारोबारों को सस्ता तथा आसान ऋण उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके लिए बड़े बाजार खोलना भी जरूरी है। कृषि क्षेत्र भी अमी मौसम और सिंचाई पर काफी निर्भर है। कमजोर मानसून का असर सीधे ग्रामीण आय और खाद्य कीमतों पर पड़ सकता है। इसलिए सिंचाई, कृषि तकनीक और भंडारण व्यवस्था में निवेश बढ़ाना जरूरी है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात से पूरा करता है। ऐसे में भू-राजनीतिक संकट के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर महंगाई और चालू खाते के घाटे पर पड़ सकता है। जुलाई 2026 में खुदरा महंगाई 4.45 प्रतिशत रही, जबकि खाद्य महंगाई 5.52 प्रतिशत तक पहुंच गई। ऐसे में ऊर्जा और खाद्य कीमतों पर निगरान आर्थिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। आईटी से आगे बढ़ना अनिवार्य है। भारत की आईटी और डिजिटल सेवाएं वैश्विक स्तर पर मजबूत हैं, लेकिन निर्यात को और व्यापक बनाने की जरूरत है। इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, मशीनरी, टेक्सटाइल और अन्य विनिर्निर्मित वस्तुओं के निर्यात में बड़े स्तर पर विस्तार भारत को वैश्विक सप्लाई चैन में और मजबूत स्थान दिला सकता है। आगे की राह भी अनिवार्य है भारत की आर्थिक मजबूती का मौजूदा मॉडल तीन प्रमुख स्तंभों पर खड़ा दिखाई देता है—घरेलू खपत, सरकारी पूंजीगत निवेश और तेजी से बढ़ता निजी निवेश। वैश्विक संकट के बीच वही संयोजन भारतीय अर्थव्यवस्था को अपेक्षाकृत मजबूती प्रदान कर रहा है। लेकिन अगले चरण की चुनौती इससे कहीं बड़ी है। भारत को तेज जीडीपी वृद्धि को तेज रोजगार, बढ़ती मजदूरी और व्यापक समृद्धि में बदलना होगा। यानी भारत ने वैश्विक उथल-पुथल के बीच अपनी अर्थव्यवस्था की रफ्तार थामी जरूर है, लेकिन अब जरूरत इस रफ्तार को लंबे समय तक टिकाऊ, रोजगारपरक और समावेशी बनाने की है। यही आर्थिक मजबूती की असली कसौटी होगी।

भारत को वैश्विक मैक्रोफैक्टरिंग हब बनने के लिए लॉजिस्टिक्स, बिजली, जमीन और नियामकीय बाधाओं को कम करना होगा। छोटे और मध्यम कारोबारों को सस्ता तथा आसान ऋण उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके लिए बड़े बाजार खोलना भी जरूरी है।

वैचारिक मतभेद बनाम निजी खुन्नस



चुनौती

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

पश्चिमी एशिया और रूस-यूक्रेन की लड़ाई के चलते दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाएं हिचकोले खा रही हैं। ऐसे में जब यह आंकड़ा आया कि देश की जीडीपी का विकास दर 7.8 प्रतिशत रही है, अच्युत तो खुशी का माहौल होना चाहिए था। लेकिन इसे लेकर विवाद खड़ा हो गया है। विवाद की बुनियाद बना है पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग का दावा। उनका कहना है कि जीडीपी आधार को 86 लाख करोड़ से घटाकर 80 लाख करोड़ कर दिया है। इस लिहाज से यह दर शून्य से लेकर 2.6 प्रतिशत तक ही बैठती है। सरकार के आंकड़ों की कोई पूर्व रसूखदार अधिकारी खिल्ली उड़ाए और उसे विपक्ष न ले उड़ता तो हैरत ही होती, लेकिन ऐसा हो रहा है। इसकी वजह यह है कि मौजूदा राजनीतिक माहौल में सरकार और विपक्ष के बीच कई वैचारिक खाईं निजी खुन्नस और दुश्मनी तक पहुंच गई हैं। इस वजह से दोनों ही पक्षों में एक-दूसरे को लेकर भरोसे का रिश्ता नहीं रह गया है। यही वजह है कि देश को जोड़ने और आगे बढ़ाने वाले जब भी कोई मुद्दा या आंकड़ा सामने आता है, विपक्ष उसकी विश्वसनीयता पर ही सवाल खड़े करने लगता है। ऐसा नहीं कि अतीत में विपक्ष सरकार को नहीं घेरता रहा है। लेकिन तब भी यह ध्यान रखा जाता था कि राष्ट्रीय हितों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को लेकर ऐसे कदम न उठाए जाएं या ऐसे बयान न दिए जाएं, जिससे देश की छवि पर आंच पहुंचे। अगर ऐसा नहीं होता तो मानवाधिकार के मामले पर नेता प्रतिपक्ष पाकिस्तान की मुखाफलत करने के लिए जेनेवा जाने वाले सरकारी दल की अनुआई नहीं करता। भारत ने जब-जब परमाणु परीक्षण किया, तत्कालीन विपक्ष उसके सके राह। वाजपेयी के पोखरण परीक्षण के बाद तो अमेरिका ने भारत पर कई प्रतिबंध लगा दिए थे, लेकिन कांग्रेस ने तब भी वाजपेयी सरकार पर सवालिया निशान नहीं लगाए थे। आज के दौर में अगर मोदी सरकार ऐसा कोई परीक्षण करती है तो उससे आज का विपक्ष



विदेशों में भारतीय व्यवस्था पर बार-बार सवाल उठाया गया है। मसलन राहुल गांधी ने बोस्टन में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए थे। तब उन्होंने कहा था कि चुनाव आयोग 'कंप्रोमाइज्ड' है और इसके सिस्टम में 'बहुत गलत' है।

है कि वे भारत की छवि को खराब कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी विपक्ष की इस प्रवृत्ति के राष्ट्रीय दानाम राजनीति के बहस के दायरे में लाकर राहुल गांधी पर सवालों की बौछार करती रहती है। विदेशों में भारतीय व्यवस्था पर बार-बार सवाल उठाया गया है। मसलन राहुल गांधी ने बोस्टन में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए थे। तब उन्होंने कहा था कि चुनाव आयोग 'कंप्रोमाइज्ड' है और इसके सिस्टम में 'बहुत गलत' है। हालांकि चुनाव आयोग ऐसे आरोपों का जवाब देता रहा, लेकिन विपक्ष की चुनौत नही रुकी। इसी तरह बीते

की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। उनके ऐसे बयानों को बाद में समूचा विपक्ष और ले उड़ता है और जगह-जगह भारतीय छवि को नुकसान पहुंचाता है। ऐसा ही इस बार जीडीपी को लेकर हो रहा है। विपक्ष को भूलना नहीं चाहिए कि ऐसे सवाल उठाकर वह भारतीय सरकार को नहीं, भारत की छवि को खराब कर रहा है। उसे देखना होगा कि भारत के आंकड़ों को विश्व बैंक ने भी मान्यता दे दी है। ऐसे में सवाल विपक्षी सोच पर भी उठता है। उसे भी सोचना होगा कि राष्ट्रीय विकास और हित में उसकी भी अपनी सकारात्मक भूमिका है और उसे निभाना होगा।

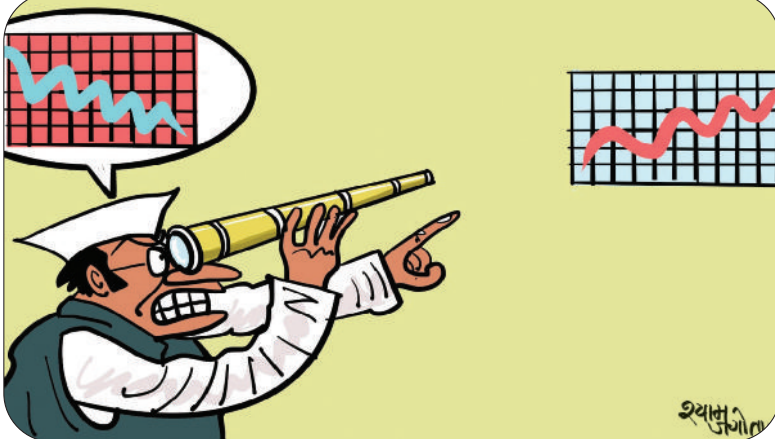


विवाद

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

भारतीय अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय लेखा प्रणाली में डेटा और सांख्यिकीय पद्धतियों का बहुत महत्व है। जब देश के वित्त सचिव पद पर रह चुका वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी की वृद्धि दर की गणना पर सवाल उठाता है तो बहस का विषय बनना स्वाभाविक है। पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग द्वारा जीडीपी आंकड़ों पर दिए तर्कों के बाद देश के आर्थिक और राजनीतिक हलकों में एक तीखी बहस छिड़ गई। गर्ग का दावा था कि देश की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8% न होकर मात्र 2.6% के आसपास है। उनके दावे के बाद आर्थिक सांख्यिकी विशेषज्ञों, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय और आर्थिक सलाहकारों ने उनके विश्लेषण की बुनियादी खामियों को उजागर किया। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने आधार वर्ष 2022-23 की नई जीडीपी सीरीज के तहत वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के आंकड़े जांच किए। इन आंकड़ों के अनुसार पहली तिमाही की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8% और सांकेतिक जीडीपी 88.27 लाख करोड़ है। सुभाष चंद्र गर्ग का तर्क था कि पिछले वर्ष की पहली तिमाही की नॉमिनल जीडीपी का आंकड़ा पुरानी सीरीज (2011-12 आधार वर्ष) के तहत 86.05 लाख करोड़ बताया गया था। जब सरकार ने नई सीरीज (2022-23 आधार वर्ष) जारी की तो उन्होंने पहली तिमाही के नॉमिनल जीडीपी के आंकड़े को संशोधित कर 80.00 लाख करोड़ कर दिया। गर्ग का आरोप है कि सरकार ने पिछले साल के जीडीपी आंकड़े में लगभग 6 लाख करोड़ का बेस घटाकर चालू वर्ष की वृद्धि दर को कृत्रिम रूप से बढ़ाकर दिखाया है। वास्तविक आधार पर देश की आर्थिक वृद्धि शून्य के करीब है। अर्थशास्त्र और राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी के मूलभूत सिद्धांतों के तहत सुभाष गर्ग का यह



सुभाष गर्ग का यह विश्लेषण गंभीर सांख्यिकीय विसंगति का शिकार माना गया। उन्होंने नई और पुरानी सीरीज का बेमेल मिश्रण कर दिया। सांख्यिकी और अर्थशास्त्र का पहला नियम यह है कि दो अवधियों के आंकड़ों की तुलना केवल तभी संभव है जब आधार वर्ष, डेटा स्रोत और मापन पद्धति समान हों।

और आर्थिक सलाहकारों ने इसे 'सेब की तुलना संतरों से करना' करार दिया। जब भी सांख्यिकी मंत्रालय आधार वर्ष बदलता है तो वह पुरानी ऐतिहासिक श्रृंखला को नई कार्यप्रणाली और व्यापक डेटा कवरेज के आधार पर पुनः कैलकुलेट करता है। नई 2022-23 सीरीज में केवल कीमतें ही नहीं बदलीं, बल्कि जीएसटी डेटा का व्यापक समावेश, नए कॉर्पोरेट फाइलिंग और डबल डिफ्लेशन जैसे सुधार लागू किए गए। जब पहली तिमाही को नई सीरीज के तहत पुनः मापा गया तो सही नॉमिनल बेस 80.00 लाख करोड़ निकला। नई सीरीज के समान मानकों पर

अधिकारी और पूर्व वित्त सचिव के दावे का व्यापक विरोध और उपहास होने के पीछे कई कारक निम्नलिखित हैं। जीडीपी पर कथित विवाद सांख्यिकी के अधूरे ज्ञान और भ्रामक मापन पद्धतियों का उपयोग करके एक नैगेटिव नैरेटिव स्थापित करने का मामला है। दो अलग-अलग आधार वर्षों वाली सीरीज के आंकड़ों को मिलाकर 2.6% का आंकड़ा निकालना सांख्यिकीय दृष्टिकोण से पूरी तरह अमान्य था। यही वजह रही कि आर्थिक जगत, सांख्यिकी मंत्रालय और नीति-निर्माताओं ने एक स्वर में उनके दावे को खारिज कर दिया।



PROPERTY FEST

ASHOKA
**PALM
MEADOWS**
APARTMENTS • PLOTS

आरती प्रॉपर्टी फेस्ट में लाखों की बचत का आज अंतिम दिन

सिर्फ

20%

दीजिए।

और आज ही चाबी लीजिए।

अगले 18 महीने, कोई PAYMENT नहीं।



— पहली 100 बुकिंग्स पर लकी ड्रॉ —



हर बुकिंग पर एक लकी ड्रॉ कूपन

नक्शे में नहीं - हकीकत में देखिए
READY डेवलप्ड प्लॉट्स



प्रीमियम रेसिडेंसियल प्लॉट्स 1,800 - 5,000 Sq.Ft.

म्युनिसिपल वाटर सप्लाई
24x7 सिक्योरिटी

आज ही निर्माण शुरू कीजिए।

अच्छी बसाहट, अच्छा प्लॉट, अच्छी कम्युनिटी

WELCOME TO
THE GREEN SIDE OF RAIPUR

Near **Kamal Vihar**, Dunda, Raipur
CALL 91 94 03 03 03

*नियम व शर्तें लागू।



PCGRERA280525001934
PCGRERA280818000726



30	भोरिया	कैकराभाट	932/7	0.004	159	भोरिया	होगिया	182/1	0.048	289	भोरिया	पाडाहरदी	783	0.320	भोरिया	भोरिया	कुल क्षेत्रफल हेक्टेयर में =		5.1189	
31			915/8	0.146	160			182/2	0.053	290			782/1	0.129			420	1732/2	0.008	
32			915/2	0.109	161			181	0.105	291			782/2	0.030			421	1733/1	0.008	
33			915/11	0.093	162			180	0.016	292			794	0.029			422	1733/2	0.004	
34			915/6	0.142	163			254	0.142	293			795/1	0.093			423	1735	0.128	
35			916/5	0.215	164			576/1	0.040	294			795/2	0.049			424	1737	0.248	
36			918/2	0.065	165			255	0.125	295			795/3	0.097			425	1736	0.008	
37			917/2	0.223	166			279/1	0.089	296			781	0.101			426	1766	0.051	
38			918/3	0.235	167			283	0.101	297			797/1	0.0730			427	1772	0.008	
39			916/4	0.061	168			609/1	0.223	298			797/2	0.004			428	1773	0.056	
40			917/3	0.097	169			279/2	0.077	299			796/1	0.052			429	1774	0.046	
41			829/1	0.271	170			275	0.061	300			796/2	0.053			430	1765	0.020	
42			829/2	0.272	171			278	0.101	301			796/3	0.053			431	1767/2	0.081	
43			816/2	0.170	172			274	0.020	302			780/2	0.178			432	1767/3	0.061	
44			816/14	0.121	173			276	0.016	303			779	0.134			433	1767/4	0.008	
45			816/17	0.069	174			273	0.024	304			776/6	0.095			434	1767/5	0.028	
46			822/3	0.027	175			284	0.117	305			778/2	0.096			435	1775	0.049	
47			836/2	0.105	176			172/1	1.707	306			777/7	0.084			436	1777	0.004	
48			830/2	0.040	177			277/1	0.004	307			776/4	0.072			437	1776/2	0.041	
49			823/1	0.273	178			277/2	0.004	308			776/1	0.162			438	1776/3	0.040	
कुल क्षेत्रफल हेक्टेयर में =			3.264	179	277/3	0.004	309	742	0.004	439	1778	0.024								
50	भोरिया	गुजकुलिया	369/1	0.153	180	भोरिया	होगिया	338	0.993	310	भोरिया	पाडाहरदी	743	0.171	भोरिया	भोरिया	1779	0.061		
51			369/2	0.551	181			162	0.024	311			744/1	0.279			441	1780	0.046	
52			370/1	0.947	182			339/3	0.012	312			744/2	0.279			442	1832	0.013	
53			368/1	0.105	183			339/6	0.012	313			775	0.043			443	1833	0.010	
54			368/2	0.040	184			339/1	0.101	314			774	0.153			444	1834	0.020	
55			367/1	0.202	185			161/3	0.097	315			746	0.231			445	1831	0.101	
56			367/2	0.283	186			339/7	0.073	316			745	0.061			446	1876	0.020	
57			367/3	0.142	187			340/1	0.829	317			738/2	0.170			447	1874	0.020	
58			367/5	0.142	188			360/2	0.077	318			738/3	0.028			448	1875/1	0.020	
59			366/1	0.036	189			360/10	0.036	319			753/1	0.077			449	1875/2	0.020	
60			366/2	0.038	190			340/2	0.012	320			753/2	0.056			450	1873	0.004	
61			366/3	0.036	191			355/1	0.121	321			753/3	0.074			451	1877	0.094	
62			364/1	0.024	192			356/4	0.028	322			755/1	0.084			452	1878/1	0.105	
63			361/1,शामिल नं 362/2,	0.274	193			355/3	0.113	323			751/2	0.065			453	1878/2	0.028	
			363/2, 364/2		194			354/3	0.219	324			751/1	0.134			454	1879	0.008	
64			361/2, शामिल नं 362/3,	0.299	195			354/6	0.142	325			751/4	0.065			455	1827/2	0.028	
			363/3, 364/3		196			357/3	0.024	326			751/5	0.045			456	2200	0.088	
65			353/2	0.049	197			354/9	0.170	327			747/1 शामिल नं 748/1	0.267			457	2201	0.016	
66			351/1	0.170	198			353/2	0.012	328			747/2 शामिल नं 748/2	0.101			458	2202	0.004	
67			351/2, 352, 354	0.446	199			353/4	0.032	329			749/1	0.162			459	2203	0.008	
68			356	0.250	200			353/5	0.186	330			749/2	0.019			460	2204	0.016	
69			347 शामिल नं.355	0.206	201			353/3	0.069	331			788/2	0.079			461	2205	0.040	
70			348/3, 349/3	0.874	202			353/1	0.283	332			788/1	0.054			462	2199/3	0.089	
71			348/1, 349/1	0.055	203			377	0.057	333			786/1	0.080			463	2199/4	0.061	
72			348/2, 349/2	0.152	204			374	0.036	334			786/2	0.210			464	2199/6	0.041	
73			345/3	0.038	205			375	0.109	335			785/4	0.445			465	2199/5	0.061	
74			346/2	0.038	206			376	0.065	336			784/1	0.037			466	2199/1	0.117	
75			346/3	0.079	207			602	0.061	337			784/2	0.036			467	2199/2	0.101	
76			365/2, शामिल नं 367/4	0.142	208			601/2	0.012	338			784/3	0.036			468	2209/1	0.198	
77			350	0.344	209			578/1	0.109	339			777	0.041			469	2209/2	0.097	
78			274	0.333	210			603	0.465	340			794	0.033			470	2209/3	0.016	
79			275/6	0.004	211			609/4	0.061	341			798	0.004			471	2185	0.224	
80			273/1	0.125	212			582/5	0.028	342			738/2	0.188			472	2273/1	0.053	
81			273/2	0.136	213			609/2	0.372	343			738/3	0.028			473	2273/2	0.016	
82			268/1	0.025	214			609/3	0.081	344			750	0.117			474	2186/1	0.097	
83			266/1	0.081	215			610	1.023	345			787/2	0.004			475	2186/2	0.048	
84			266/2	0.113	216			611	0.137	346			752/1	0.089			476	2186/3	0.061	
85			315/2	0.101	217			582/2	0.121	347			752/2	0.115			477	2274	0.035	
86			315/3	0.101	218			583/1	0.012	348			460	0.023			478	2276	0.101	
87			225	0.044	219			581/2	0.093	349			459	0.002			479	2277	0.040	
88	224/5	0.044	220	575/1 शामिल	0.021	350	458/1	0.042	480	2278/1	0.029									
89	224/6	0.049		न. 575/2		351	458/3	0.060	481	2278/2	0.028									
90	224/11	0.053	221	576/2	0.530	352	458/5	0.023	482	2279/1	0.008									
91	224/12	0.040	222	581/3	0.080	353	458/6	0.037	483	2275/1	0.032									
92	224/13	0.024	223	581/4	0.129	354	458/2	0.010	484	2275/2	0.008									
93	226/2	0.335	224	578/2	0.178	355	458/10	0.010	485	2275/3	0.008									
94	154/2	0.110	225	577/1	0.422	356	457/1	0.062	486	2315/1	0.014									
95	154/3	0.125	226	577/2	0.012	357	445/17	0.087	487	2316	0.016									
96	154/4	0.082	227	546/3	0.105	358	445/16	0.020	488	2165/10	0.135									
97	152, शामिल 153/1	0.037	228	571/3	0.101	359	445/15	0.004	489	2165/14	0.215									
98	153/2	0.209	229	571/1	0.004		कुल क्षेत्रफल हेक्टेयर में =	10.8737	490	2165/7	0.202									
99	149/1	0.446	230	571/6	0.081	360	232/1	0.176	491	2317	0.031									
100	267/3	0.061	231	571/7	0.081	361	232/3	0.120	492	2319/2	0.037									
101	267/4	0.061	232	550/4	0.162	362	232/7	0.1488	493	2321/1	0.029									
102	267/5	0.049	233	553/1	0.085	363	240/2	0.1936	494	2321/2	0.058									
103	267/2	0.048	234	553/2	0.045	364	241/15	0.030	495	2321/3	0.063									
104	267/8	0.162	235	554/2	0.081	365	241/2	0.020	496	2320/1	0.057									
105	267/9	0.098	236	561/2	0.21	366	241/16	0.114	497	2322/1	0.041									
106	130	0.540	237	562/1	0.036	367	241/6	0.065	498	2322/2	0.041									
107	42/1	0.045	238	550/2	0.036	368	242/11 शामिल नं 243/1	0.1104	499	2210/1	0.024									
108	110/1	0.079	239	560/2	0.138	369	242/2 शामिल नं 243/2, 243/4	0.141	500	2210/3	0.004									
109	110/2	0.292	240	561/1	0.024	370	242/6	0.088	501	2211/1	0.008									
110	110/3	0.275	241	560/1	0.094	371	242/7	0.1512	502	2272/5	0.182									
111	111/1	0.022	242	560/4	0.009	372	258/1	0.0758	503	2272/4	0.061									
112	111/6	0.107	243	560/5	0.069	373	258/5	0.0658	504	2272/3	0.081									
113	47/4	0.025	244	547/3	0.235	374	258/2	0.066	505	2272/6	0.082									
114	47/5	0.033	245	552	0.061	375	258/4	0.0256	506	2272/7	0.083									
115	107/1	0.134	246	570/2	0.036	376	258/7	0.024	507	2272/8	0.020									
116	98/1	0.067	247	560/3	0.170	377	258/8	0.0224	508	2323/2	0.202									
117	98/3	0.140	248	560/6	0.210	378	258/6	0.024	509	2355/2	0.089									
118	71/2	0.103	249	564/1	0.065	379	259/1	0.1920	510	2323/1	0.045									
119	71/3	0.149	250	564/3	0.040	380	262/1</													

अदाणी डिफेंस व इंडो रशियन राइफल्स के बीच समझौता

नई दिल्ली। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने भारत-रूस के संयुक्त उपक्रम इंडो-रशियन राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड (आईआरआरपीएल) के साथ पांच वर्ष का समझौता किया है। इसके तहत अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस भारतीय सेना के लिए बनाई जा रही एके-203 राइफलों के लिए 7.62 × 39 मिलीमीटर के छोटे हथियारों के कारतूस की आपूर्ति करेगा। इससे एके-203 राइफल और उसके लिए जरूरी कारतूस की आपूर्ति के लिए देश में एकीकृत व्यवस्था तैयार होगी। आईआरआरपीएल की स्थापना वर्ष 2019 में भारत और रूस के बीच



हुए अंतर-सरकारी समझौते के तहत की गई थी। इसका उद्देश्य भारतीय सशस्त्र बलों के लिए एके-203 राइफलों का भारत में निर्माण करना है। कंपनी का निर्माण संयंत्र उत्तर

प्रदेश के अमेठी जिले के कोरवा में स्थित है जिससे 2021 में आईआरआरपीएल के साथ भारतीय सशस्त्र बलों के लिए 6,01,427 एके-203 राइफलों के निर्माण का

समझौता किया गया था। इन राइफलों का निर्माण कोरवा संयंत्र में किया जा रहा है। संयुक्त उपक्रम में भारतीय पक्ष से एडवॉंस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड और म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड तथा रूसी पक्ष से कंसर्न कलाशिनकोव और रोसोबोरोनएक्सपोर्ट शामिल हैं। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने देश में छोटे हथियारों के कारतूस के निर्माण की क्षमता विकसित की है। कानपुर में भी इसकी उत्पादन सुविधा है। नया समझौता देश में रक्षा उत्पादन और कारतूस की घरेलू आपूर्ति को मजबूत करने के साथ आत्मनिर्भर भारत अभियान को बढ़ावा देगा।

552			973/1	0.085	660			588/5	0.081
553			973/3	0.016	661			588/4	0.065
554			981/1	0.049	662			588/1	0.223
555			981/2	0.049	663			586/3	0.270
556			982	0.202	664			586/2	0.162
557			983	0.121	665			552/3	0.101
558			984	0.165	666			554/3	0.409
559			990	0.012	667			554/2	0.162
560			985/2	0.032	668			554/1	0.020
561			985/5	0.008	669			554/4	0.073
562			974/1	0.486	670			589/2	0.162
563			974/2	0.324	671			2527	0.625
564			975/1	0.125	672			2528	0.101
565			975/2	0.243	673			2324/2	0.040
566			943/3	0.405	674			554/5	0.008
567			942	0.268	675			2448/22	0.405
568			944/2	0.809	676			2448/27	0.162
569			944/4	0.612	677			553	0.032
570			930/1	0.097					
571			931	0.202	678			4/1	0.047
572			932	0.186	679			4/2	0.101
573			930/2	0.089	680			4/3	0.101
574			930/3	0.008	681			4/7	0.049
575			933/1	0.0930	682			4/8	0.053
576			933/2	0.040	683			4/9	0.053
577			934/1	0.139	684			3	0.089
578			934/4	0.115	685			16/2	0.115
579			934/2	0.137	686			21/1	0.113
580			934/3	0.216	687			21/5	0.008
581			934/6	0.101	688			21/4	0.024
582			934/7	0.120	689			17/3	0.024
583			934/8	0.127	690			17/1	0.056
584			934/5	0.175	691			18	0.032
585			941	0.099	692			19	0.046
586			936/1	0.154	693			64	0.077
587			936/2	0.124	694			63/2	0.064
588			935/1	0.211	695			63/1	0.051
589			995/2	0.105	696			65	0.073
590			935/3	0.109	697			62	0.028
591			936/3	0.154	698			59/1	0.040
592			2438/16	0.004	699			59/2	0.036
593			2438/14	0.405	700			70/2	0.047
594			2438/13	0.182	701			71	0.067
595			943/2	0.125	702			58/2	0.065
596			943/1	0.405	703			58/6	0.097
597			2438/17	0.020	704			58/10	0.105
598			2438/3	0.121	705			58/9	0.006
599			2438/8	0.210	706			72/1	0.113
600			2438/9	0.202	707			72/2	0.121
601			2438/11	0.263	708			72/3	0.113
602			2438/4	0.202	709			72/4	0.129
603			2438/10	0.364	710			99	0.113
604			2438/2	0.656	711			98/1	0.028
605			934/2	0.567	712			98/2	0.061
606			934/3	0.223	713			97	0.048
607			934/5	0.175	714			100	0.40
608			934/1	0.081	715			101/1	0.077
609			934/7	0.162	716			101/2	0.008
610			2438/6	0.162	717			95/2	0.040
611			2437	0.105	718			95/1	0.1620
612			2439	0.093	719			94	0.085
613			2445	0.304	720			93/2	0.109
614			2438/5	0.162	721			93/1	0.004
615			2438/1	0.065	722			93/3	0.056
616			2438/7	0.097	723			91/1	0.073
617			921/2	0.121	724			91/2	0.093
618			920	0.121	725			291/1	0.145
619			2438/12	0.081	726			291/5	0.004
620			2436 शामिल 2440	0.121	727			291/4	0.069
621			2441	0.048	728			291/3	0.020
622			2444/1	0.040	729			298	0.092
623			2444/2	0.121	730			292/1	0.142
624			886	0.020	731			293	0.061
625			887/1	0.024	732			294	0.053
626			2446/5	0.263	733			176/6	0.194
627			2446/8	0.263	734			178/5	0.243
628			2446/4	0.073	735			187/2	0.012
629			2435/1	0.097	736			187/1	0.085
630			2435/3	0.243	737			187/4	0.048
631			2435/2	0.162	738			188/2	0.138
632			2433/1	0.058	739			176/13	0.133
633			2434/1	0.114	740			176/16	0.154
634			2448/6	0.446	741			176/2	0.129
635			2434/2	0.008	742			178/1	0.230
636			2447/1	0.162	743			207 भा. 217	0.042
637			2448/5	0.235	744			219	0.075
638			2448/9	0.121	745			218	0.075
639			2448/13	0.182	746			216	0.032
640			2448/14	0.117	747			215	0.032
641			2448/10	0.162	748			221	0.065
642			2448/15	0.292	749			214	0.185
643			2448/19	0.150	750			222/1	0.008
644			2448/18	0.130	751			223	0.056
645			2448/11	0.243	752			222/3	0.012
646			2448/8	0.490	753			222/2	0.049
647			2448/4	0.121	754			224	0.040
648			2448/24	0.373	755			228/3	0.004
649			590/1	0.036	756			228/1	0.040
650			590/2	0.040	757			228/2	0.004
651			590/3	0.061	758			226	0.097
652			593/2	0.121	759			187/3	0.113
653			593/1	0.065					
654			592/2	0.401	760			449/3	0.032
655			592/1	0.098					
656			591/1	0.129					
657			591/2	0.012					
658			591/3	0.130					
659			588/3	0.045					

राष्ट्रपति मुर्मू ने शिक्षक दिवस पर राजधानी दिल्ली में किया सम्मान

इनोवेशन के लिए छत्तीसगढ़ की सुनीता सहित 82 उत्कृष्ट शिक्षकों को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार



एजेसी ►► नई दिल्ली

शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में देशभर के 82 उत्कृष्ट शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्रदान किए। सचल वैज्ञानिक प्रयोगशाला बनाने, पुनर्चक्रण की गई वस्तुओं से संवादात्मक आउटडोर साईस और नॉलेज पार्क तैयार करना, रीडिंग कैपेन और 'ट्री टॉक' (क्यूआर कोड-आधारित वनस्पति अध्ययन प्रणाली) जैसे इनोवेशन (नवोन्मेष) के लिए 82 शिक्षकों को इस वर्ष राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने शनिवार को तीन विभागों से चुने गए इन शिक्षकों और शिक्षाविदों को राजधानी दिल्ली में सम्मान किया। इन शिक्षकों में स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के 48 शिक्षक, उच्च शिक्षण संस्थानों और पॉलिटेक्निक के 21 शिक्षक या फैकल्टी सदस्य, और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के 13 कौशल प्रशिक्षक शामिल हैं। समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा हमारे संविधान में निहित अवसर की समानता के आदर्श को साकार करने

कुंडा ने दिलाए समान शैक्षणिक अवसर

महाराष्ट्र के नासिक की कुंडा जयवंत बछाव को हर विद्यार्थी तक नवीनोन्मेषी और समान शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया है। बछाव को प्रदान प्रशस्ति पत्र में कहा गया, ' अपनी शैक्षणिक मार्गदर्शन पहल के जरिए, उन्होंने 150 से अधिक जरूरतमंद लड़कियों को आर्थिक और शैक्षणिक मदद दी है, जिससे कम उम्र में शादी को रोका जा सका है और उनके लिए उच्च शिक्षा के रास्ते खुले हैं।

का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों में ड्रॉपआउट दर को नागण्य स्तर तक लाने में शिक्षकों के प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने इस राष्ट्रीय उपलब्धि के लिए सभी शिक्षकों की सराहना की। राष्ट्रपति ने कहा कि स्कूली शिक्षा पूरी शिक्षा व्यवस्था की आधारशिला है। ज्ञान और कौशल कभी भी हासिल किए जा सकते हैं, लेकिन बचपन में अच्छे आचरण और संस्कारों की शिक्षा अधिक प्रभावी होती है। प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चों के बौद्धिक, शारीरिक और नैतिक विकास पर ध्यान केंद्रित करके शिक्षक भविष्य की ऐसी पीढ़ी तैयार कर सकते हैं, जो उत्कृष्ट विद्यार्थी होने के साथ-साथ जिम्मेदार नागरिक भी बने।

प्रोफेसर चौधरी का हुआ सम्मान

रायपुर/नई दिल्ली

शिक्षक दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ के शिक्षाविद् एवं पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के प्रोफेसर प्रो. (डॉ.) राजीव चौधरी को आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया।

उच्च शिक्षा एवं पॉलिटेक्निक क्षेत्र के लिए इस वर्ष देशभर से चयनित 21 शिक्षकों/फैकल्टी सदस्यों में प्रो. चौधरी का चयन हुआ है। यह सम्मान उनके शिक्षण-अधिगम में उत्कृष्टता, नवाचार,



विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण, शोध एवं अनुसंधान, आउटरीच गतिविधियों तथा शिक्षक-शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर मिली मान्यता है। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार की चयन प्रक्रिया बहु-स्तरीय एवं कठोर रही, जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर स्वतंत्र ज्यूरी द्वारा मूल्यांकन और संवाद शामिल था।

इससे पूर्व भी दो प्रतिष्ठित पुरस्कार

प्रो. चौधरी की यह उपलब्धि उनके दीर्घकालीन अकादमिक योगदान और राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षक-शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्टता का परिणाम है। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2026 से पूर्व उन्हें दो महत्वपूर्ण राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार भी प्राप्त हो चुके हैं। उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं नवाचारी योगदान के लिए वर्ष 2019 में नेशनल काउंसिल फॉर टैलेंट एजुकेशन (एनसीटीई) द्वारा बेस्ट टीचर एजुकेटर अवार्ड-2019 से सम्मानित किया गया था। इसके अतिरिक्त 2025 में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टैलेंट एजुकेशन (आईआईटीई) गांधीनगर द्वारा उन्हें चाणक्य नेशनल अवार्ड-बेस्ट टीचर एजुकेटर-2025 प्रदान किया गया। आईआईटीई गुजरात सरकार का शिक्षक-शिक्षा के क्षेत्र में समर्पित संस्थान है। यह पुरस्कार उनके शिक्षक-शिक्षा, शोध, नवाचार, मार्गदर्शन और अकादमिक नेतृत्व में योगदान के लिए प्रदान किया गया।

स्वतंत्र को मेजा गया एक दिन की पुलिस रिमांड पर



बुलंदशहर से पकड़ा गया था शुक्रवार को

एजेसी ►► नई दिल्ली

स्वतंत्र भारद्वाज को पुलिस ने बुलंदशहर से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद उसे एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

उसे कड़कड़दूमा कोर्ट परिसर में संबंधित जज के आवास पर पेश किया गया, जहां वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई हुई।

सीजेपी के प्रदर्शन के बाद स्वतंत्र के खिलाफ दर्ज मामले में एससी-एसटीएक्ट की धारा जोड़ी गई थी। इसके अलावा उसके खिलाफ पाक्सो एक्ट के तहत भी एफआईआर दर्ज की गई। वहीं, शनिवार को स्वतंत्र के समर्थन में

हिंदू संगठन पुलिस की एकतरफा कार्रवाई का आरोप लगाते हुए थाने के बाहर जुटे। इससे पहले शुक्रवार को प्रदर्शन के बाद दिल्ली पुलिस ने स्वतंत्र भारद्वाज को हिरासत में लिया था। पुलिस ने उसे उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से पकड़ा। यह कार्रवाई एक वायरल पॉडकास्ट क्लिप सामने आने के बाद हुई, जिसमें आरोपी ने कथित तौर पर एक छात्र के पिता पर हमला करने की बात कबूल की थी। मामला 23 जून 2026 का है, जब जंतर-मंतर पर सीजेपी का प्रदर्शन चल रहा था। उस दौरान विवाद हुआ था।

स्वतंत्र के समर्थन में भी हुआ प्रदर्शन

जंतर-मंतर पर नाबालिग छात्र के पिता से मारपीट के मामले में हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ता स्वतंत्र भारद्वाज के समर्थन में पॉलिसिमेंट स्ट्रीट थाने पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने पुलिस की कार्रवाई पर स्वाल उठाते हुए कहा कि स्वतंत्र के खिलाफ गलत आरोपों के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। इस दौरान हिंदू संगठन ने दिल्ली पुलिस को नाबालिग छात्रा और उसके पिता के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज करने की शिकायत दी।

बाल विवाह, 27 नवंबर ‘अंतरराष्ट्रीय दिवस’ घोषित

नई दिल्ली। बाल विवाह के खिलाफ भारत की लड़ाई को वैश्विक स्तर पर बड़ी मान्यता मिली है। संयुक्त राष्ट्र ने 27 नवंबर को 'बाल, कम उम्र और जबरन विवाह को समाप्त करने के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस' घोषित किया है। भारत के लिए यह तारीख खास तौर पर महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसी दिन 2024 में भारत सरकार ने 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान की शुरुआत की थी। 'जरूरत राहत्स फॉर विल्डन (जेआरसी) के संस्थापक सुबुन रिभु ने बाल विवाह को खत्म करने के लिए एक खास ग्लोबल डे मगाने की अंतरराष्ट्रीय मांग शुरू की थी।

सुनीता की पहल का असर

</

[[संजय के दीक्षित]]

अब जनवरी में ट्रॉसफर

आईएएस, आईपीएस और आईएफएस के ट्रॉसफर का अब एक दौर कंलीट हो गया है। आली लिस्ट अब जनवरी एंड तक निकलेगी। तब तक आईएएस का 2011 बैच सेकेट्री प्रमोट हो जाएगा. जनवरी में रायपुर पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला रिटायर होंगे। उसी समय रायपुर में नए पुलिस कमिश्नर के साथ दुर्ग, भिलाई, कोरबा, जगदलपुर, मुंगेली के एसपी बदले जाएंगे। इसी तरह कलेक्टरों के तबादले भी अब जनवरी में ही होंगे। तब हो सकता है कि रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग तीनों जिलों के कलेक्टर चेंज हो जाएं। अब प्रश्न ट्रॉसफर जनवरी में क्यों? तो संभवतः सरकार का प्रयास होगा...बढ़े जिलों में ऐसे समय पर कलेक्टर, एसपी पोस्ट किया जाए, जो नवंबर 2028 में विधानसभा चुनाव कराए। जनवरी में पोस्ट करने पर वे दो साल के खतरे से बच जाएंगे। वरना, चुनाव के दौरान उन पर तलवार लटकी रहेगी। जाहिर है, अक्टूबर में मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट प्रभावशील हो जाता है। और दोनो चरण की पोलिंग तक अफसरों की जान सांसत में रहती है। बहरहाल, जनवरी से पहले कोई हिट विकेट हो गया तो फिर बात और...तब तो सरकार को मजबूरी में हटना पड़ेगा। वरना जनवरी में ही...।

कलेक्टरी में सबसे आगे

इस समय कलेक्टरी में छत्तीसगढ़ कैडर के आईएएस अधिकारी देश में सबसे आगे चल रहे हैं। बाकी राज्यों में आईएएस में सलेक्ट होने के बाद सात-आठ साल से पहले चांस नहीं मिलता। जबकि, छत्तीसगढ़ में इस समय 2019 बैच कलेक्टरी में कंलीट हो गया है। वहीं, बाकी कई राज्यों में अभी 2019 बैच शुरू नहीं हुआ है। सुनने में आ रहा, छत्तीसगढ़ में भी अब 2020 बैच को अगले साल ही जाकर मौका मिलेगा। तब तक इस बैच को डीएम बनने के लिए वेट करना होगा।

ओबीसी या ब्राम्हण चेहरा!

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव अस्वरथ चल रहे, इसलिए पार्टी के कामकाज को संभालने कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करने की अटकलें बड़ी तेज हैं। हालांकि, खबर प्रदेश अध्यक्ष बदलने की उड़ गई थी...संवाद प्रमुख हेमंत प्राणग्राही को बयान जारी कर उसे खारिज करना पड़ा। अलबत्ता, ये अवश्य है कि पार्टी के अंदरखाने में कार्यकारी अध्यक्ष को लेकर बड़ा मंथन चल रहा। पब्लिक डोमेन में नाम भी कई दिए जा रहे...केंद्रीय मंत्री तोखन साहू से लेकर सांसद संतोष पाण्डेय, पूर्व मंत्री अनय चंद्रकार, सांसद बृजमोहन अग्रवाल और पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा तक। मगर भीतर की खबरों की मानें तो तोखन और संतोष का पलड़ा भारी दिखाई पड़ रहा। संतोष पाण्डेय का नाम चूँकि संघ से बढ़ाया गया है, सो उनका नाम अपेक्षाकृत थोड़ा वजनी प्रतीत हो रहा। यूपी में विधानसभा चुनाव आया है ब्राम्हणों की नाखुशी को देखते बीजेपी यह दांव चल सकती है। किंतु यह भी सही है कि बीजेपी अपने फैसलों से चौंकाती रहती है...कार्यकारी अध्यक्ष की नियुक्ति में भी ऐसा कुछ कर दें तो अचरज नहीं।

150 करोड़ में जीरो आईएएस

छत्तीसगढ़ के आदिवासी और अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को आईएएस बनाने सरकार प्रति स्टूडेंट पौने दो लाख रुपए कोटिंग संस्था को भुगतान करती है। इसके लिए हर साल 200 बच्चों का सलेशन किया जाता है। पौने दो लाख को 200 से मल्टीप्लाई करें तो साल भर का सिर्फ कोचिंग फी हुआ साढ़े तीन करोड़। 25 साल का कैलकुलेट करें तो यह 87.50 करोड़ बैठेगा। इसके अलावा दिल्ली में आवास और खाने-पीने पर लाखों रुपए खर्च, वो अलग। मगर हासिल क्या आया, वो सबके सामने है। छत्तीसगढ़ में आदिवासी बच्चों को आईएएस बनाने का यह खर्चा पिछले 25 बरसों से चल रहा, मगर सिस्टम में बैठे लोगों को कभी पूछने का फुरसत नहीं मिला कि करोड़ों रुपए स्वाहा करने के बाद रिजल्ट क्यों नहीं मिल रहा। अब सुनने में आ रहा, सरकार कोचिंग में भीड़ बढ़ाने की बजाए सलेक्शन प्रॉसेज को ठीक कर

राशिफल

मेघ

दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार की सुख-सुविधाओं के लिए खर्च बढ़ेगा। रहन-सहन अत्यवस्थि रहगा।

वृष

मन प्रसन्न तो रहेगा। परन्तु बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सुरदायु खानपान में रुचि बढ़ सकती है।

मिथुन

व्यर्थ के क्रोध से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। सेहत का ध्यान रखें।

कर्क

परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। भाइयों से मतभेद हो सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

सिंह

संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी मित्र के सहयोग से सम्पत्ति में किया गया निवेश लाभप्रद रहेगा। मौटे खानपान में रुचि रहेगी।

कन्या

संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। कुटुम्ब की किसी बुजुर्ग महिला से धन मिल सकता है। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

तुला

वाणी में मधुरता रहेगी। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक

मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी।

धनु

क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। कारोबार में किसी मित्र के सहयोग से लाभ में वृद्धि होगी।

मकर

व्यर्थ के क्रोध से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ

आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा। परन्तु आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। धार्मिक आयोजनों में हिस्सा लेंगे।

मीन

मन प्रसन्न रहेगा।। कर्मक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

अब सिर्फ 25 छात्रों को चुनेगी और कोशिश की जाएगी कि हर साल उनमें से दो-चार का यूपीएससी में सलेक्शन हो जाए। हालांकि, सरकार को ‘प्रयास’ योजना का भी रिव्यू करना चाहिए। ‘प्रयास’ के तहत छत्तीसगढ़ में रायपुर, बिलासपुर समेत 18 जगहों पर आदिवासी बच्चों को जेई, आईआईटी की कोचिंग कराई जा रही। इसमें हर साल करीब 8000 बच्चों को सलेक्ट किया जाता है। सरकार एक स्टूडेंट पर 62 हजार रुपए पेमेंट करती है कोचिंग संस्था को। याने साल में करीब 49 करोड़। अब सवाल उठता है, इतने पैसे खर्च करने के बाद भी क्या अपेक्षित रिजल्ट आ रहा?

मंत्रालय में रिफार्म

मंत्रालय के कामकाज में कसावट लाने की दिशा में जीएडी बड़ा काम करने जा रहा है। ई-ऑफिस और ऑनलाइन अटेंडेंस के बाद मंत्रालयीन कैडर को स्ट्रांग किया जाएगा। अभी तो स्थिति ये है कि 80 परसेंट से अधिक सेक्शन ऑफिसर से लेकर अंडर सिक्रेट्री बाबू या भूत्य लेवल से प्रमो्ट हुए हैं। वो इसलिये कि मंत्रालय में प्रमोशन बड़ा फास्ट होता है, सो बाबू तो अफसर बन ही जाते हैं, भूत्य भी पीछे नहीं रहते। खैर, छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद अभी तक जूनियर सचिवालय सहायक पदों पर भर्ती होती थी। और वही बाद में प्रमोेट होकर सौनियर सचिवालय सहायक और असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर बनते हैं। मगर अब सीधे असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर पद पर भर्ती होगी। असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर ही प्रमोेट होकर सेक्शन ऑफिसर और फिर अंडर सिक्रेट्री प्रमोेट होंगे। जीएडी के अफसरों का मानना है कि इससे कामकाज की गुणवता सुधरेगी। बाकी राज्यों के मंत्रालयों में भी असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर पद पर ही भर्ती होती है। बहरहाल, जीएडी ने सेंटअप रिवीजन के साथ केडर रिवीजन के लिए तीन अफसरों की कमेटी बना दी है।

दीया तले अंधेरा!

सरकार ने पिछले दिनों एक महत्वपूर्ण आदेश निकाला था, उसमें कहा गया था कि अधिकारी, कर्मचारी का तीन साल में डेकड बदलना अनिवार्य होगा। कहा ये भी गया...कामकाज की सहुलियत के लिए एक सिक्रेट्री के साथ एक अधीनस्थ रहेगा। यानी एक सिक्रेट्री के अधीन एक डिप्टी सिक्रेट्री। मगर मंत्रालय में एक डिप्टी सिक्रेट्री न केवल सात सालों से एक ही विभाग में जमे हैं बल्कि उनके पास पंजीयन, सामान्य प्रशासन विभाग, जीएूसटी और विमानन जैसे अहम विभाग हैं। मतलब एक अफसर चार-चार विभाग। अफसर को नियमों का बड़ा जानकार माना जाता है, मगर अंग्रेजों के समय का सिस्टम अभी भी चल रहा तो फिर उनके ज्ञान की खबरी कती माते तो तोखन और संतोष का पलड़ा भारी दिखाई पड़ रहा। संतोष पाण्डेय का नाम चूँकि संघ से बढ़ाया गया है, सो उनका नाम अपेक्षाकृत थोड़ा वजनी प्रतीत हो रहा। यूपी में विधानसभा चुनाव आया है ब्राम्हणों की नाखुशी को देखते बीजेपी यह दांव चल सकती है। किंतु यह भी सही है कि बीजेपी अपने फैसलों से चौंकाती रहती है...कार्यकारी अध्यक्ष की नियुक्ति में भी ऐसा कुछ कर दें तो अचरज नहीं।

अफसर को नौ बार दस्त

किस्सा बड़ा मजेदार है...सिस्टम को पोल खोलने वाला भी। दरअसल, बिलासपुर हाई कोर्ट ने एक केस के सिलसिले में सूरजपुर जिला पंचायत के एक अफसर को 17 अगस्त को तलब किया था। अफसर ने कोर्ट के फरमान को हल्के में ले लिया। नहीं पहुंचे अदालत में। इस पर कोर्ट ने कंटेस्ट का नोटिस दे दिया, उपर से विभागीय प्रमुख होने के नाते प्रमुख संचिव पंचायत निहािर बाविरक से शपथ मांगने का आदेश भी। इसके बाद 2 सितंबर को जिपं अफसर कोर्ट पहुंचे। उन्होंने कहा, मैं बीमार हो गया था। हुजूर...दिन भर मैं नौ बार दस्त हो गया। सूरजपुर जिला अस्पताल में इलाज हुआ, डॉक्टर ने उन्हें 18 अगस्त तक ट्रेवल न करने की सलाह दी थी। उन्होंने डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल का मेडिकल सर्टिफिकेट भी कोर्ट में पेश किया। मगर जस्टिस तेज ठहरे। माजरा समझ गए। पहले भी वे कई बड़े अफसरों की क्लास ले चुके हैं। सो,

सपेरा समुदाय के 25 के आधार कार्ड एवं 29 के जन्म प्रमाणपत्र बनाए

रायपुर। जिला प्रशासन के प्रोजेक्ट अहिगुण्डिक के माध्यम से सपेरा समुदाय के 25 लोगों के आधार एवं 29 लोगों के जन्म प्रमाणपत्र बनाए गए हैं। कलेक्टर के निर्देश पर ग्राम सिनोधा तिल्दा में विशेष शिविर आयोजित किया, जिसमें सौरा (सपेरा) समुदाय के 25 लोगों के आधारकार्ड तथा 29 लोगों के जन्म प्रमाणपत्र गांव में ही बनाए गए। इससे ग्रामीणों को दस्तावेज बनवाने के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ी और उन्हें घर के करीब ही आवश्यक सुविधा उपलब्ध हुई। जिला पंचायत सीईओ कुमार विश्वरंजन ने कहा कि सौरा समुदाय के परिवारों को शासन की योजनाओं और सुविधाओं से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

शब्द पहेली - 6339						
1	2	3	4	5	6	7
8			9			10
		11		12	13	
14				15	16	17
				18		
			19		20	
21	22	23	24	25	26	
			27	28		
29		30	31		32	
		33	34	35		
36	37	38			39	
40				41		

जब सवालों की बौछारें शुरू हुईं तो झूठ-पर-झूठ बोलते-बोलते अफसर एक जगह फंस गए। आखिर में उन्हें स्वीकार करना पड़ा कि उन्हें दस्त-वस्त कुछ नहीं था...अस्पताल से फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाए। बताते हैं, नौ बार लूज मोशन होने के बाद भी अफसर दिन भर ऑफिस में काम किए और यहीं से उनकी झूठ की परतें खुलती गईं। खैर, अफसर बड़े थे, उन्होंने अपनी गलती मान ली, इसलिए कोर्ट ने उसे अपने आदेश में उल्लेख नहीं किया। मगर इससे मेडिकल सिस्टम और डॉक्टर भी सवालों के घेरे में हैं...आखिर, किस तरह वे स्वस्थ मुलाजिम को बीमार बना देते हैं।

डेढ़ सौ करोड़ का पटवारी

पीएससी परीक्षा घोटाले में ईडी ने दो सितंबर को दुर्ग के एक पूर्व पटवारी के कई ठिकानों पर छापा मारा। बताते हैं, ईडी को पीएससी स्कैम में पटवारी के कुछ लेनदेन के पेपर मिले हैं। यही नहीं, 150 करोड़ की संपत्ति की शिकायत भी। पूर्व पटवारी की तीन बेटियों में दो पटवारी हैं, एक सब रजिस्ट्रार। बेटा नायब तहसीलदार। याने पूरा कूनबा जमीन-जायदाद से संबंधित विभागों में। चारों जब से नौकरी पाए हैं, भिलाई-दुर्ग से बाहर नहीं निकले। बेटे का एक बार ट्रॉसफर हुआ तो भिलाई के सारे बीजेपी, कांग्रेस नेता गोलबंद हो गए थे। ऊपर में इतने फोन हुए कि हफ्ते भर में ट्रॉसफर आदेश चेंज करना पड़ा। पंजीयन मंत्री ओपी चौधरी ने पिछले साल जब सालों से जमे मुलाजिमां को बदला तो पूर्व पटवारी की बेटी का ट्रॉसफर भी जांजगीर हो गया। उसके आदेश बदलने भी कहा-कहां से सिफारिशें नहीं हुईं! सुनने में ये भी आ रहा कि पूर्व पटवारी के पास 150 करोड़ से कई गुना अधिक संपत्ति होगी। भिलाई के अनेक बिल्डरों के साथ उसका पार्टनरशिप है। जाहिर है, पूर्व पटवारी के आर्थिक और सियासी रसूख सुन सुबे के नौकरशाहों को ईर्ष्या हो रही होगी। यूपीएससी जैसी परीक्षा क्लियर कर देश की सबसे बड़ी सर्विस में आने के बाद भी कई आईएएस अफसर पूरी नौकरी में 150 करोड़ नहीं कमाते होंगे। और न वैसा सियासी रसूख...कि बीजेपी, कांग्रेस के नेताओं में उन्हें बचाने होड़ मच जाए।

अफसरों का जुड़ाव और विकास!

छत्तीसगढ़ के बाकी जिलों के बारे में पता नहीं, मगर बिलासपुर जिले को इस सरकार ने दोनों हाथों से दिया है। 827 करोड़ की लागत से पेंड्रीडीह से सेंदरी तक बाईपास बनने जा रहा। उसलापुर फ्लाई ओवर डबल लेन से फोर लेन को हरी झंडी। जरहाभाटा से नेहरु चौक, महामाया चौक, इंदिरा सेतु के उपर बनेगा फ्लाई ओवर। सिम्प को कोनी में शिपथ करने कॉलेज और हॉस्पिटल के लिए ऑलरेडी 1450 करोड़ का टेंडर अलॉट हो चुका है। दरअसल, बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल ने इस साल बजट से पहले मंत्रालय में सीएम, वित्त मंत्री समेत शीर्ष अफसरों की अहम बैठक कराई, उसका असर दिख रहा है। उपर से संयोग ये

कार्यालय नगर पंचायत लखनपुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

Ph. 07774-261501
email-emolakhanpur@gmail.com

लखनपुर, दिनांक-03/9/26

क्रमांक/1149/लो.नि./न.पं./2026-27
द्वितीय ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

नगर पंचायत लखनपुर में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत निविदाकारों से निर्माण कार्यों हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

System Tender no	Estimated Amount (Lakh)	Earnest Money Deposit	Bid Submission Start Date & Time	Bid Due Date & Time	Physical Document Submission Date & Time	Bid Open Date & Time
198801	16.92	12700/-	03/09/2026 After 17.00 PM	18/09/2026 Before 17.00 PM	22/09/2026 Before 16.00 PM	22/09/2026 After 17.00 PM
198803	223.51	150000/-	03/09/2026 After 17.00 PM	21/09/2026 Before 17.00 PM	24/09/2026 Before 16.00 PM	24/09/2026 After 17.00 PM
198812	50.00	37500/-	03/09/2026 After 17.00 PM	18/09/2026 Before 17.00 PM	22/09/2026 Before 16.00 PM	22/09/2026 After 17.00 PM

टीप :- 01. ऐसे निविदाकार, जिनके पास STP/WTP कार्य एवं निविदा (Notice Inviting Tender) में निर्धारित पात्रता को पूर्ण करते है, निविदा में भाग लेने हेतु पात्र होंगे। 02 . उपरोक्त कार्यों की निविदा की समान्य शर्तें धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेत व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https:cgeprocurement.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है। 03. विज्ञापन की प्रति https:cg.uad.gov.in में देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पंचायत लखनपुर जिला-सरगुजा (छ.ग.)	
	
बाएँ से दाएँ	
1.उषासना करना-6	40.एक मुस्लिम महीना-4
5.अलमस्त, उत्साही-4	41.सहायता करना-3,3
8. हरे रा का-2	ऊपर से नीचे
9.चाह,इच्छा-3	1.सहिष्णुता,उदारता-6
10.अधिकार,आरोप-2	2.थोड़ा,कम-2
11.निर्दय, हिसक-4	3.कपडों के टुकड़े-4
12.आंदोलन-2	4.असफल-5
13.सज्जन,सभ्य-4	5.रजी करना-3
14.स्मृति,अविस्मरण-2	6.वजन,वायदा-2
17.रूखा, रसहीन-3	7.अनाथ,बेवारािस-4
19.गुप्तचर-4	11.वैधव्य-4
21.संकेत मोचक,नाविक-5	13.रजा की पत्नी-2
24.घुगली करना-5	16.दूटना-4
27.नाथ प्रदर्शक-4	18.धावक
29.प्रेम,चाहत-3	(अंग्रेजी-3)
31.एक ग्रह-2	19.खबरै,खबर देने वाला-4
32.अनर्गल प्रलाप-4	20.हमारा पड़ोसी
33.नौकर सेक्क-2	देश-2
35.उद्दिन,आतुर-4	22.घूमना-3
36.श्रवणेंद्रिय-2	23.प्रश्रय-2
38.दीपक,दिया-3	25.खतरनाक,
39.बोलने के लिये कहना-2	खतरनाक-4
	26.पसंद नहीं होना

भी...टॉप के अफसरों का बिलासपुर से जुड़ाव रहा है। चीफ सिक्रेट्री विकास शील और प्रिंसिपल सिक्रेट्री टू सीएम सुबोध सिंह बिलासपुर के कलेक्टर रह चुके हैं। वहीं, तत्कालीन वित्त सचिव मुकेश बंसल बिलासपुर नगर निगम के कमिश्नर। सो, सूबे के दूसरे नंबर के शहर बिलासपुर के साथ बरसों बाद न्याय हुआ।

ब्यूरोक्रेसी हॉवी? याद होगा...अविभाजित मध्य प्रदेश में

दिग्विजय सिंह पर हमेशा नौकरशाहों को संरक्षण देने के आरोप लगते रहे. छत्तीसगढ़ बनने के बाद ब्यूरोक्रेट बैकग्राउंड के फनर्ट सीएम अजीत जोगी के समय भी...और रमन सिंह सरकार के वक़्त भी...अफसरों पर हॉवी रहने के आरोप खूब लगे. यही इल्जाम अब विष्णुदेव सरकार पर भी लग रहे. जबकि, नौकरशाही को जो करीब से जानते-समझते हैं, वे बेहतर बता सकते हैं कि राज्य बनने के बाद 25 साल में यह पहला अवसर होगा, जब अफसरशाही बैकफुट पर है. बिलकुल डिफेंसिव. सरकार के दाई साला बाद भी कोई पावर जोन नहीं बना. छिटपुट कोई पावर सेंटर बना भी होगा तो ब्यूरोक्रेसी से बिलकुल नहीं. आश्चर्य यह कि अफसरों की मनमानी का नैरेटिव बनाने में बीजेपी नेता भी पीछे नहीं. पिछले दिनों संगठन की मीटिंग में भी इस पर जमकर आरोपबाजी हुई. सत्ता और संगठन को मिलकर इसका निदान ढूँढना पड़ेगा. कहीं ऐसा तो नहीं, बीमारी कुछ और है, और उसका डाइग्नोस्ट कुछ और.

अंत में दो सवाल आपसे

- संतोष पाण्डेय और तोखन साहू में से कौन बनेगा छत्तीसगढ़ बीजेपी का कार्यकारी अध्यक्ष?
- बीजेपी चिकित्सा प्रकोष्ठ का अध्यक्ष 24 घंटे में क्यों बदल गया?

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्स लिमिटेड सिंहली रत्न कमणबी (कोल इंडिया लिमिटेड का उपग्रह)
सूचना
एसईसीएल द्वारा सामग्रियों, कार्यों एवं सेवाओं की खरीद के लिए जारी निविदाएं एसईसीएल की वेबसाइट http://www.secl-cil.in, कोल इण्डिया के ई-प्रोक्यूमेंट पोर्टल http://coalindiatenders.nic.in और सेंट्रल पब्लिक प्रोक्यूरमेंट पोर्टल http://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त जीईएस पोर्टल http://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीदी का कार्य किया जाता है। एसईसीएल के माईनिंग सर्विसेस की निविदायें भी अब जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in पर उपलब्ध हैं।

होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केन्द्र
टाटा मौलिक अनुसंधान संस्थान
राष्ट्रीय ओलंपियाड कार्यक्रम 2026-2027
खगोल विज्ञान, जीवविज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, जूनियर साइंस
कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक सभी छात्रों को भारतीय भौतिकी शिक्षक संघ (आईएपीटी) द्वारा आयोजित संबंधित राष्ट्रीय मानक परीक्षाओं (एनएसई) (विज्ञान विषयों के लिए) में 21 और 22 नवंबर, 2026 को उपस्थित होना होगा।
एनएसई में उत्तीर्ण होना, संबंधित अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड-2027 में भाग लेने की दिशा में पहला कदम है।
नामांकन के लिए:
एनएसई: https://www.iapt.org.in (21 अगस्त - 14 सितंबर, 2026)
अधिक जानकारी के लिए: https://olympiads.hbcse.tifr.res.in
https://www.iapt.org.in
cbc 48143/11/0006/2627

केनाल रोड का 500 मीटर पाथवे हुआ जर्जर नाले पर बना लिया कालोनी जाने का रास्ता

राजधानी रायपुर के रिंगरोड राजेंद्रनगर से अमलीडीह चौक होकर कमल विहार जाने के लिए केनाल रोड के किनारे पैदल यात्रियों की सुविधा के लिए अमलीडीह सिम्लन चौक से सर्विस रोड के बीच लगभग 500 मीटर तक पीडब्ल्यूडी विभाग ने पाथवे का निर्माण कराया है, जो अब पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है। इस पाथवे को एक जगह लोगों ने तोड़कर कालोनी के अंदर जाने के लिए रास्ता बना लिया है।

	TATA MOTORS COMMERCIAL VEHICLES Better Always
आवश्यकता	
नॉर्थ छत्तीसगढ़ में टाटा मोटर्स की सबसे भरोसेमंद डीलरशिप ओम ऑटोव्हील्स को छोटे कमर्शियल व्हीकल्स के लिये आवश्यकता है	
→ असिस्टेंट जनरल मैनेजर (सेल्स) - कमर्शियल व्हीकल/फाइनेंस इंडस्ट्री में न्यूनतम 8 वर्ष	
→ डीलर सेल्स मैनेजर - कमर्शियल व्हीकल/फाइनेंस इंडस्ट्री में न्यूनतम 5 वर्ष	
→ डीलर सेल्स एग्जीक्यूटिव - फ्रेशर्स भी अप्लाई कर सकते हैं (अनुभव की प्राथमिकता)	
नियुक्ति स्थान	
 बिलासपुर, रायगढ़, कोरिया, बलरामपुर, जांजगीर-चांपा मुंगेली, जशपुर, और गैरौला-बेंड़ा-मरवाही।	
इंडस्ट्री स्टैंडर्ड्स से आधार पर आकर्षक सैलरी	
इच्छुक उम्मीदवार कोल / वाट्सएप या दिवे मेल आईडी पर अपना सीवी मेल करें.	
बिलासपुर रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग रोड, झुलफा, अंतुलाल पेट्रोल पंप के पास, बिलासपुर, छत्तीसगढ़	
संपर्क करें : ☎ 6262606366 ✉ hr@omtata.com	

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला-रायपुर (छ.ग.)
Email Id: birgaonmcp@gmail.com http://www.nagarnigambirgaon.com
क्र./2718/ न.पा.नि./ लो.नि.शाखा / 2026 बीरगांव,दिनांक 02/09/2026 :: ई-प्रोक्चरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना :: E-Procurement Tender Notice 2nd Call] नगर पालिक निगम बीरगांव द्वारा मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजनानगर्त बंजारी मंदिर चौक से बस स्टैण्ड होते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रावांभाटा तक सड़क चौड़ीकरण कार्य (निविदा राशि रु. 530.23) लाख के लिए System Tender No 198782 अनुसार लोक निर्माण विभाग में [Following work as per schedule of rates for Road works issued by Engineer-In-Chief PWD Raipur in force from 15.06.2026, Building S.O.R. in force from 10.06.2026, ELECTRICAL S.O.R 10.06.2026, and amendments applicable upto date of issue of NIT.] से प्रचलित एस.ओ.आर. में प्रतिशत दर पर (System Tender 198782, Bid Start Date- 03.09.2026, Bid Due date- 21.09.2026, Physical Submission Last Date- 24.09.2026, Open Date- 25.09.2026) तक ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक सक्षम पात्र निविदाकार, निविदा प्रपत्र, अनुमानित लागत राशि, नियम एवं शर्तें, धरोहर राशि, Key Date एवं विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में निकाय कार्यालय से प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम बीरगांव की वेबसाइट www.nagarnigambirgaon.com व संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में उपलब्ध है। इसे https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड/प्राप्त कर ईटेंडरिंग के माध्यम से निविदा भरने की कार्यवाही कर सकते हैं। कार्यपालन अभ



लंदन स्क्वाश : क्वार्टर फाइनल में हारी अनाहत

लंदन। भारत की अनाहत सिंह क्वार्टर फाइनल में मलेशिया की विश्व में पांचवें नंबर की खिलाड़ी शिवसंगारी सुब्रह्मण्यम से हारकर लंदन स्क्वाश क्लासिक पीएसए गोल्ड प्रतियोगिता से बाहर हो गई। मौजूदा विश्व जूनियर चैंपियन अनाहत को 4-11, 4-11 से हार का सामना करना पड़ा। अनाहत ने विश्व की नंबर 11 खिलाड़ी नेली गिलिस को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज यह भारतीय खिलाड़ी अब 12 सितंबर से शुरू होने वाले कतर क्लासिक टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। यह टूर्नामेंट जापान में 19 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेलों की तैयारी का हिस्सा है।

एशिया कप : भारत ने दक्षिण कोरिया को हराया



मोकी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने महिला जूनियर एशिया कप में अपने खिताब बचाव अभियान की शुरुआत दक्षिण कोरिया पर 4-1 की शानदार जीत के साथ की। पिछले दो चरण के चैंपियन भारत ने दक्षिण कोरिया के खिलाफ संयमित और दबदबे वाला प्रदर्शन किया। भारत की ओर से सानिका चंद्रकांत माने, पूर्णिमा यादव, पूजा साहू और मधु सिदार ने गोल किए। भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक इरादे दिखाए और पहले क्वार्टर में कई मौके बनाए। इसका फायदा उसे आठवें मिनट में मिला, जब सानिका ने गोल कर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। भारतीय टीम ने दक्षिण कोरियाई डिफेंस पर दबाव बनाए रखा और पहले क्वार्टर में दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। भारत ने आक्रामक खेल जारी रखा और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया।

ओमेगा यूरोपियन : टॉप टेन में बरकरार शुभंकर



क्रान्स मोंटाना। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने आखिरी छह होल में तीन बोगी की लेकिन इसके बावजूद वह ओमेगा यूरोपियन मास्टर्स के दूसरे दौर के बाद शीर्ष-10 में बने रहने में कामयाब रहे। डीपी वर्ल्ड टूर में दो बार जीत हासिल कर चुके 30 वर्षीय शर्मा ने दूसरे दौर में छह बड़ी लगाई और चार बोगी की। इस तरह से उन्होंने इस दौर में दो अंडर 68 का स्कोर बनाया।

पश्चिम मध्य रेल
खुली निविदा
एनबीआई नंबर - जंबलपुर-प्रोजेक्ट ई पी.सी.-2026-01
उप मुख्य विद्युत अभियंता (परियोजना) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से निर्माता/निर्माता कार्यों के लिए ऑन-लाइन के माध्यम से प्रतिष्ठित और अनुभवी ठेकेदारों से ई-निविदाएं (ईपीसी मोड), आमंत्रित करते हैं। इस निविदा के विरुद्ध मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और प्राप्त ऐसे किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा।
निविदा क्रमांक : जबलपुर-प्रोजेक्ट ई पी.सी.-2026-01 दिनांक 02.09.2026.
कार्य का नाम लोकेशन सहित : पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल के श्रीधाम (प्रोजेक्टर) भद्रनगर (प्रोजेक्टर) खंड (मिना स्काडा को) बीच 132 केली./56 के वी. स्कोट से जुड़े ट्रेक्शन सब स्टेशन और एटी सहित सिविलिंग पोस्टों का डिजाइन/संशोधन, इरेक्शन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और चार्ज करना। यह कार्य 3000 मीट्रिक टन लोडिंग लक्ष्य को पूरा करने के लिए पश्चिम मध्य रेलवे के 1x25 केली से 2x25 के वी. ट्रेक्शन सिस्टम तक इलेक्ट्रिक ट्रेक्शन सिस्टम के उन्मयन के संबंध में किया गया है।
निविदा का अनुमानित मूल्य (रुपये में): ₹.126,74,00,000/-.
निविदा फार्म की कीमत: निल.
कार्यालय का पता : उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (प्रोजेक्टर), पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर ग्राउंड फ्लोर, मुख्य विद्युत इंजीनियर (प्रोजेक्टर), कार्यालय, रेलवे स्टेशन के बाजू में जबलपुर (म.प्र.) 482001.
बिड सिक्यूरिटी (रुपए में) : रुपये 2,53,48,000/-
समापन अवधि : 18 माह.
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय : दिनांक 05.10.2026 (11:00 बजे तक).
निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 12.10.2026 (11:00 बजे).
निविदा खाना की सारणी जानकारी रेलवे वेब साइट <https://reps.gov.in> पर उपलब्ध है तथा उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (प्रोजेक्टर) के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है।
हस्ता
उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (प्रोजेक्टर)
पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

यूएस ओपन : कामिला रखिमोवा को 6-3, 6-4 से हराया

सबालेंका ने 54 मिनट में जीता मुकाबला, चौथे दौर में पहुंचीं

एजेंसी ►► न्यूयॉर्क

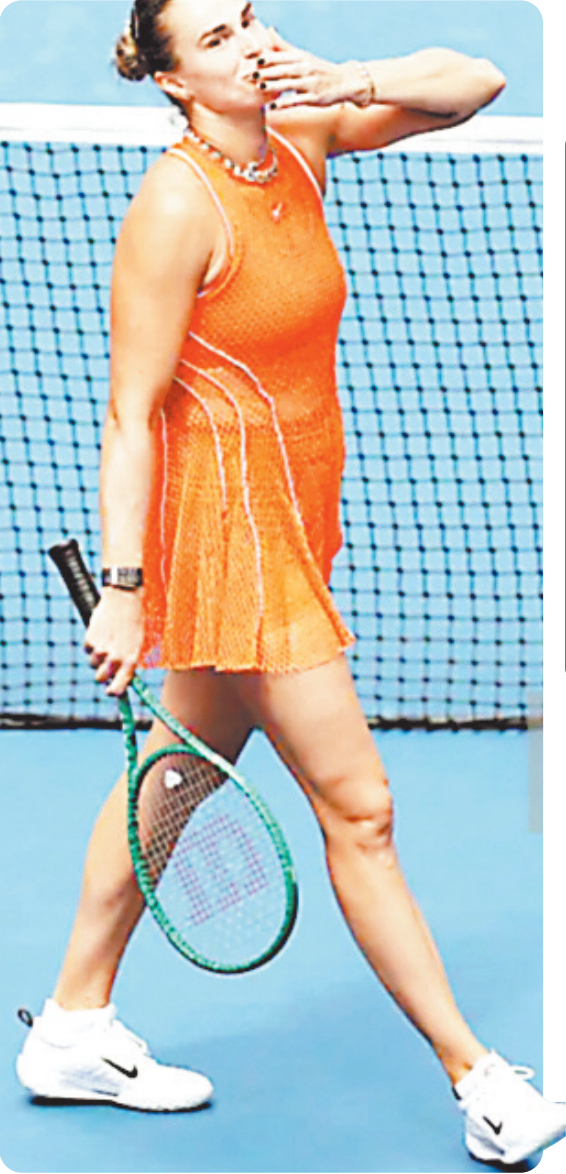
यूएस ओपन के महिला एकल में दो बार की मौजूदा चैंपियन एरीना सबालेंका ने चौथे दौर में प्रवेश किया। उन्होंने कामिला रखिमोवा को 6-3, 6-4 से हराया। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी को दूसरे सेट में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा, जो 54 मिनट तक चला। उन्होंने दूसरे दौर का अपना मैच केवल 53 मिनट में जीता था। वह सेरेना विलियम्स के बाद लगातार तीन यूएस ओपन खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनने की कवायद में हैं। अंतिम 16 में उनका मुकाबला टेलर टाउनसेंड से होगा।

एरीना ने मादक पदार्थ की गंध के कारण रोका मैच

सबालेंका को मैच के दौरान मारिजुआना की गंध महसूस की। उन्होंने चेयर अपरयर से इसकी शिकायत की। उन्होंने बाद में कहा, 'दोस्तों आप जो चाहें कर सकते हैं। आप धूम्रपान करने के लिए स्वतंत्र हैं लेकिन कृपया टेनिस कोर्ट के आसपास ऐसा न करें। जब आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे हों तो उस गंध को सहन करना थोड़ा मुश्किल होता है।'

जेसिका ने लेयला को हराया

तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने पहला सेट आसानी से गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए 2021 की उपविजेता लेयला फर्नांडीज को 1-6, 6-4, 6-3 से हराया। पेगुला का मुकाबला अब रोमानिया की 36 वर्षीय सोराना सिस्टिया से होगा, जो इस सत्र के बाद संन्यास लेने पर विचार कर रही हैं।



अल्काराज का विजय अभियान जारी



डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने चीज के वू रिबिंग को सीधे सेटों में 6-3, 6-4, 6-1 से हराकर यूएस ओपन के चौथे राउंड में जगह बनाई। दाहिनी कलाई की चोट से उबरने के बाद अप्रैल के बाद से अपने पहले टूर्नामेंट में खेल रहे अल्काराज ने वैंड स्लैम इवेंट्स में अपनी जीत का सिलसिला 17 मैचों तक बढ़ा लिया है। अल्काराज को वू से शुरुआती चुनौती का सामना करना पड़ा। दोनों खिलाड़ियों ने आक्रामक शॉट-मेकिंग वाले इस मुकाबले में जबरदस्त फोरहैंड दिखाए। शुरुआती सेट में वू ने अल्काराज की बराबरी की और उन पर दबाव बनाया, जिससे अल्काराज को पहले और दूसरे, दोनों सेट में मिली ब्रेक की बढ़त गंवानी पड़ी। हालांकि, दुनिया के नंबर 3 खिलाड़ी ने अहम मौकों पर अपना खेल बेहतर किया, मैच पर पकड़ बनाई और दो सेट की बढ़त हासिल कर ली।

लिंडा और मार्टा अगले दौर में
लिंडा नोस्कोवा और 11वीं वरीयता प्राप्त मार्टा कोस्त्युक भी अगले दौर में पहुंच गईं लेकिन सातवीं वरीयता प्राप्त कैरोलिना मुचोवा को 26वीं वरीयता प्राप्त एम्मा नवरो ने बाहर कर दिया। पुरुष एकल में 2021 के चैंपियन दानिल मेदवेदेव ने आर्थर रीडरकनेच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराया।

आकिब ने लगाया द्धनदनाता सिक्स

एजेंसी ►► रॉकेशर

आकिब नबी इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट का अनुभव ले रहे हैं। अपने करियर में पहली बार काउंटी क्रिकेट का मैच खेलने वाले आकिब नबी ने रोचक समय में विकेट नहीं बल्कि बल्ले से सिक्स जड़कर सबका ध्यान अपनी तरफ खींचा।

नबी की सरे को जब जीत के लिए 8 रन की दरकार थी और उसके 2 विकेट बाकी थे। तभी नबी ने दनदनाता सिक्स लगा दिया और इसके बाद आली गेंद पर फिर से बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में वह आउट हो गए, जिससे दो रन और एक विकेट के मसले में मैच फंस भी गया। हालांकि नंबर 11 के बैटर डेनियल ने फिर संयम दिखाकर चौका



लगाते हुए नबी की गलती को जीत में तब्दील कर दिया, जिससे सरे ने एक विकेट से मैच अपने नाम किया तो कुलदीप यादव की टीम यॉर्कशर को हार मिली।

कुलदीप यादव की टीम हारी

अब दो रन और एक विकेट के रोचक मोड़ पर 43 रन बनाकर खेलने वाले जोश ब्लेक आगला ओवर में डन खेल गए। इससे नंबर 11 के बैटर डेनियल वॉराल फिर से स्ट्राइक पर आ गए। डेनियल ने समझदारी और संयम से अपना विकेट बचाते हुए गेंद को धीरे से गैप में धकेलकर चौका जड़ दिया। इससे नबी की टीम सरे ने एक विकेट की रोचक जीत दर्ज की तो कुलदीप यादव वाली यॉर्कशर को अंत में जाकर हार मिली। इस मैच में आकिब नबी गेंदबाजी से दो पारियों में सिर्फ दो विकेट ले सके तो कुलदीप यादव को एक भी ओवर उनकी टीम यॉर्कशर ने नहीं दिया।

एचएफ जूनियर एशिया कप भारत की इंडोनेशिया पर बड़ी जीत



एजेंसी ►► मोकी

भारत ने पूल ए के अपने पहले मैच में इंडोनेशिया पर 14-0 की बड़ी जीत के साथ एचएफ जूनियर पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में खिताब का बचाव करने के अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। कप्तान अनमोल एक्का, प्रभदीप सिंह और अजीत यादव तीनों ने मिलकर 12 गोल किए, जिससे पांच बार की चैंपियन टीम ने टूर्नामेंट पर जल्द अपना दबदबा कायम कर लिया। प्रभदीप ने

सर्वाधिक पांच गोल दागकर 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार हासिल किया। कप्तान अनमोल ने चार जबकि यादव ने तीन गोल किए। बाकी दो गोल हरपाल और आशु मौर्य ने किए। मैच शुरू होत ही भारत ने आक्रामक रवैया अपनाकर अपने इरादे स्पष्ट कर दिए थे। भारतीय खिलाड़ियों ने इंडोनेशिया के गोल पर लगातार हमले किए। इंडोनेशिया के खिलाड़ी पूरे मैच में संघर्ष करते हुए नजर आए। प्रभदीप ने

पांचवें मिनट में गोल करके भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। हरपाल ने आठवें मिनट में बढ़त को दोगुना कर दिया। दूसरे क्वार्टर में भी भारतीय फोरवर्ड लाइन का लगातार मौके मिलते रहे। अनमोल ने मैच का अपना पहला गोल 16वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक से किया। इसके चार मिनट बाद यादव ने एक और गोल दागकर स्कोर 4-0 कर दिया। प्रभदीप ने 26वें और 30वें मिनट में गोल करके अपनी हैट्रिक पूरी की।

एशिया कप में भारत ने 7वीं बार पाक को दी शिकस्त



दुबई। श्रीचरण और प्रेमा रावत की युवा स्पिन जोड़ी की घातक गेंदबाजी के सामने पाकिस्तान की बल्लेबाजी पूरी तरह बेबस नजर आई और भारत ने महिला एशिया कप टी20 के एकतरफा मुकाबले में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी को 7 विकेट से रौंद दिया। टीम इंडिया ने पाकिस्तान को महज 55 रन पर समेट दिया, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय में पाकिस्तान का अब तक का सबसे कम स्कोर है। भारत ने 8.4 ओवर में 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। हरमनप्रीत ने नाबाद 18 रन बनाए और विजयी छक्का लगाकर मुकाबला खत्म किया। दीपति शर्मा 12 रन बनाकर नाबाद रहीं। इस तरह भारतीय महिला टीम ने 7वीं बार एशिया कप में पाक टीम को शिकस्त दी।

श्रीचरण ने सिर्फ 7 रन देकर चटकाए 3 विकेट

भारत की 22 वर्षीय बाएं हाथ की स्पिनर श्रीचरण ने 4 ओवर में सिर्फ 7 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि लेग स्पिनर प्रेमा ने 4 ओवर में 9 रन देकर 3 विकेट चटकाए। शेफाली वर्मा ने 3 ओवर में 10 रन देकर 1 विकेट लिया। दीपति शर्मा ने 3.1 ओवर में 5 रन देकर 2 विकेट झटकते हुए पाकिस्तान की पारी समेटने में अहम भूमिका निभाई।

भारत ने जल्द गंवाए 3 विकेट

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने शेफाली (12), स्मृति मंधाना (9) और प्रतीका रावल (4) के विकेट जल्दी गंवा दिए। पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने तीनों को पवेलियन भेजा। फिर हरमनप्रीत ने और दीपति ने भारत को आसानी से जीत तक पहुंचा दिया।

पाकिस्तान का 200वां टी20 मुकाबला
इससे पहले अपने 200वें टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। टीम ने शुरुआती चार ओवर में बिना विकेट खोए 27 रन बनाकर अच्छी शुरुआत की। मुनीबा अली को दो जीवनदान मिलने के बावजूद वह 13 रन ही बना सकीं, जबकि शवाल जुल्फिकार ने 14 रन का योगदान दिया। इसके बाद पाकिस्तान की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई और कोई अन्य बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छु सका।

हरमनप्रीत ने हासिल किया बड़ा मुकाम
विमेंस एशिया कप के 9वें मुकाबले में मैदान पर उतरने के साथ ही हरमनप्रीत कौर ने बतौर कप्तान बड़ी उपलब्धि को अपने नाम की। हरमनप्रीत महिला टी20 इंटरनेशनल में 150 मैचों में कप्तानी करने वाली पहली कप्तान बन गई हैं। हरमनप्रीत यह मुकाम हासिल करने वाली पहली क्रिकेटर (पुरुष और महिला) हैं। इस हिस्ट में दूसरे नंबर पर श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्ट का नाम है, जिन्होंने 121 टी20 इंटरनेशनल मुकाबलों में कप्तानी की है। वहीं, मेग लेनिंग 100 मैचों में कप्तानी करने के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

पेशाब, किडनी या प्रोस्टेट से जुड़ी परेशानी?

किडनी स्टोन से लेकर प्रोस्टेट और यूरेनरी कैंसर तक विशेषज्ञ यूरोलॉजी सेवाएं एक ही छत के नीचे।

हमारे यहां उपलब्ध प्रमुख सेवाएं

- **किडनी एवं पेशाब की पथरी**
 - RIRS • PCNL • URS जैसी आधुनिक पथरी की लेजर द्वारा सर्जरी
- **प्रोस्टेट की समस्या**
 - पेशाब में रुकावट • कमजोर धार
 - बार-बार पेशाब
- **पेशाब संबंधी समस्याएं**
 - जलन • पेशाब रुकना
 - पेशाब पर नियंत्रण न रहना
- **यूरोलॉजिकल कैंसर**
 - किडनी • ब्लेडर • प्रोस्टेट • अंडकोष
 - लिंग के कैंसर का उपचार
- **रिकंस्ट्रक्टिव यूरोलॉजी**
 - पेशाब की नली में संकुचन व जन्मजात समस्याओं का उपचार
- **लैप्रोस्कोपिक यूरोलॉजी सर्जरी**
 - कम चीरे वाली आधुनिक सर्जरी
- **किडनी ट्रांसप्लांट केयर**
 - दूरबीन द्वारा किडनी ट्रांसप्लांट सेवाएं
- **पुरुषों की समस्याएं (Andrology)**
 - यौन कमजोरी • शीघ्रपतन • लिंग से जुड़ी समस्याएं • पुरुषों का बांझपन

DR. J. KANASKAR
MS, DNB (UROLOGY), MNAAS
SENIOR CONSULTANT - UROLOGY & ANDROLOGY

DR. ANKUSH PURI
MS, DNB (UROLOGY)
CONSULTANT - UROLOGY & ANDROLOGY

पेशाब से जुड़ी छोटी-सी परेशानी को भी नज़रअंदाज़ न करें।

Apollo Hospitals, Bilaspur | 91794 21653, 07752-248300-248306



कठिन समस्याएं अब न होंगी

क्यूक सच्ची सहेली में हैं **67** खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करें।
24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachisaheli.in



67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स

Helps in:

- कठिन दर्द
- चिड़चिड़ापन
- थकान
- कमजोरी
- कमर कटना
- इम्यूनिटी



वनभूमि से 5 हजार पेड़ गायब, जांच जल्द पूरी करें

आयरन ओर माइंस के लिए डायवर्ट की गई थी जमीन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने उत्तर बस्तर कांवेर के ग्राम कच्चे स्थित रिजर्व फॉरेस्ट कम्पाउंटमेंट नंबर 608 की 32.36 हेक्टेयर वनभूमि से पेड़ों के कथित तौर पर गायब होने के मामले में लंबित जांच जल्द पूरी करने का निर्देश दिया है। यह जमीन मेसर्स गोदावरी पावर इंड्रस्ट्रिया लिमिटेड की अरी-डोंगरी आयरन ओर माइंस के विस्तार के लिए डायवर्ट की गई थी। राजेश रंगारी की ओर से पेश जनहित याचिका में बताया गया कि वन विभाग के रिकॉर्ड में 20 सेंटीमीटर से अधिक घेरा वाले 11,765 पेड़ दर्ज थे। इनमें से 6,070 पेड़ काटे जा चुके थे और 5,695 पेड़ शेष बचाए गए थे, लेकिन जून 2023 की जांच में केवल 712 पेड़ मौके पर खड़े मिले, जबकि 4,983 पेड़ गायब पाए गए। राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया कि इस विसंगति की जांच चल रही है। 19 नवंबर 2025 की रिपोर्ट पूर्व रिपोर्ट से मेल नहीं खाते पर डीएफओ ने असहमति दर्ज करते हुए 20 नवंबर को नए सिरे से जांच के निर्देश दिए। जांच रिपोर्ट के लिए रिमाइंडर भी जारी किए गए हैं। इसके अलावा सड़क निर्माण के दौरान दबाई गई लकड़ी के मामले में कंपनी से लकड़ों की कीमत और जुर्माने के



रूप में 3,06,341 रुपये की मांग की गई है। हाईकोर्ट ने कहा कि वन विभाग द्वारा कार्रवाई शुरू किए जाने के मद्देनजर पीआईएल का निपटारा किया जा रहा है। कोर्ट ने अधिकारियों को जांच शीघ्र पूरी कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने, अवैध कटाई या पेड़ों के गायब होने की स्थिति में जिम्मेदारी तय कर कानून के अनुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बेंच ने शेष वनभूमि की प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा वनभूमि डायवर्जन की मंजूरी के साथ जुड़ी शर्तों का उल्लंघन रोकने को कहा। कोर्ट ने पर्यावरणीय क्षति की भरपाई के लिए नियमों के अनुसार क्षतिपूर्क एवं सुधारात्मक पौधरोपण पर भी जोर दिया और प्रभावित क्षेत्र में खोए पेड़ों की संख्या से अधिक पेड़ लगाने की पहल की अपेक्षा जता। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता समर्थ सिंह मरहास, कैंद की ओर से अजयपूर्ण तिवारी और राज्य की ओर से पी के दास, अतिरिक्त महाधिवक्ता उपस्थित रहे।

पदोन्नति में ज्वाइनिंग तारीख नहीं कैलेंडर वर्ष से होगी सेवा गणना

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सब इंस्पेक्टर रेडियो से इंस्पेक्टर रेडियो पद पर पदोन्नति के मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि अहंकारी सेवा की गणना वास्तविक ज्वाइनिंग तारीख से नहीं, बल्कि उस कैलेंडर वर्ष से होगी, जिसमें कर्मचारी फोर्डर कैडर में नियुक्त हुआ है। चौफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने चार पुलिस अधिकारियों की रिट अपील स्वीकार करते हुए एकल पीठ का आदेश निरस्त कर दिया। मामला ओम प्रकाश देवांगन, धर्मेरा कुमार साहू, अपराजिता सिंह राणा और गौरव शुक्ला से जुड़ा है। चारों की नियुक्ति वर्ष 2017 में सब इंस्पेक्टर रेडियो के पद पर हुई थी और उन्होंने नवंबर 2017 में सेवा ज्वाइनी की थी। छत्तीसगढ़ पुलिस कार्यालयिक अराजपत्रित सेवा भर्ती नियम, 2021 के तहत इंस्पेक्टर रेडियो पद पर पदोन्नति के लिए आठ वर्ष की अहंकारी सेवा जरूरी है। याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि छत्तीसगढ़ लोक

सेवाएं पदोन्नति नियम, 2003 के नियम 6(2) के अनुसार सेवा की गणना फोर्डर कैडर में प्रवेश वाले कैलेंडर वर्ष से की जानी चाहिए। इस आधार पर 2017 को पहला और 2024 को आठवां वर्ष मानते हुए वे 1 जनवरी 2025 से पदोन्नति के लिए पात्र हो गए थे। इंस्पेक्टर रेडियो के सात पद भी रिक्त थे। एकल पीठ ने वास्तविक ज्वाइनिंग तारीख के आधार पर उनकी पात्रता अक्टूबर 2025 में पूरी होना माना था। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने इसे गलत ठहराते हुए कहा कि नियम में कैलेंडर वर्ष को स्पष्ट आधार बनाया गया है। इसलिए नवंबर 2017 में ज्वाइन करने वालों के लिए भी 2017 पहला वर्ष माना जाएगा अदालत ने राज्य सरकार को चारों अधिकारियों के मामलों को विभागीय पदोन्नति समिति के समक्ष रखने और 1 जनवरी 2025 तक आठ वर्ष की सेवा पूरी मानकर पदोन्नति पर विचार करने का निर्देश दिया। अन्य पात्रता शर्तें, रिक्रियं और परिणामी लाभ नियमानुसार होंगे।

महानदी में मलबा डंप, हाईकोर्ट की सख्ती के बाद सभी लीज रद्द

बिलासपुर। आरंग तहसील के निम्दा गांव में अवैध खनन और महानदी में मलबा डंप करने के मामले में राज्य शासन ने बड़ी कार्रवाई की है। जनहित याचिका पर राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि मामले में दोषी पाए गए सभी पट्टेदारों की माइनिंग लीज रद्द कर दी गई है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में लीज क्षेत्र के बाहर कोई भी अवैध खनन या नदी में मलबा डंप करने की घटना पाई जाती है, तो कानून के अनुसार तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। रायपुर जिले के निम्दा निवासी

ओम प्रकाश सेन ने यह जनहित याचिका लगाई थी, इसमें बताया कि कुछ लोगों द्वारा स्वीकृत लीज क्षेत्र से बाहर जाकर फर्शी पथर का अवैध खनन किया जा रहा है। याचिका में बताया गया कि सरकारी जमीन पर अतिक्रमण किया गया है और खनन का मलबा महानदी में फेंका जा रहा है। इन शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए सक्षम अधिकारियों ने जांच की और पर्यावरण संरक्षण मंडल ने भी हस्तक्षेप करते हुए खनन गतिविधियों को रोकने के निर्देश जारी किए। सुनवाई के दौरान राज्य शासन

ने कोर्ट को बताया कि, वर्तमान में संबंधित क्षेत्र में कोई भी माइनिंग लीज कार्यरत नहीं है।

रायपुर। धरसीवा थाना क्षेत्र के परसतराई में गाड़ी में मिली लाश की शिनाख्त हो गई है। मृतक की पहचान पजारीडीह निवासी मोहन निषाद के रूप में हुई है। हत्या का आरोपी मृतक का बड़ा दामाद हेमराज उर्फ भूरी निषाद बताया जा रहा है और इसकी वजह संपत्ति विवाद बताया जा रहा है।

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर बनीं र रहे मुस्कान



कटे होंठ व तालु का निःशुल्क इलाज स्माइल ट्रेन के सौजन्य से

पंचपेड़ी नाका, धमराही रोड, कलसर्ज मॉडल के पास, रायपुर
कॉल : 98271 43060/8871003060
Ajay Advt.



दीजिए अपनी आँखों को कुदरती आई मंत्रा



पूर्ण स्वदेशी
पूर्ण आयुर्वेदिक
#VocalForLocal

12 गुणकारी आयुर्वेदिक औषधियों जैसे गुलाब, तुलसी, आंवला, नीम, पुदीना, शहद इत्यादि के योग से बनी 'आई मंत्रा' आयुर्वेदिक आई ड्रॉप्स आँखों में होने वाली समस्याओं जैसे आँखों की थकान, आँखों का सूखापन, आँखों पर दबाव कम कर उन्हें स्वस्थ व शीतल रखने में सहायक है। आयुर्वेदिक होने के कारण यह सुरक्षित है एवं इसका आँखों पर कोई दुष्प्रभाव भी नहीं पड़ता।

आदिवासी भूमि को ऐसे व्यक्तियों के कब्जे और उपयोग से बचाना है, जो उसके हकदार नहीं :हाईकोर्ट

बिलासपुर। बिलासपुर हाईकोर्ट के डिवीजन बेंच ने महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि किसी जमीन का रजिस्टर्ड बिना विलेख आदिवासी के नाम होने मात्र से उस जमीन पर गैर-आदिवासी के वास्तविक कब्जे या उपयोग की जांच पर रोक नहीं लगती। छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता की धारा 170-बी का उद्देश्य आदिवासी भूमि को ऐसे व्यक्तियों के कब्जे और उपयोग से बचाना है, जो उसके हकदार नहीं हैं।



पित्त की पथरी
बार-बार होने वाला दर्द सिर्फ दवा से न टालें। समय पर विशेषज्ञ से सलाह लें।

डॉ. विवेक केशरवानी
नैसर्गिक एवं मेडिकल डिस्टेंशनल सर्जरी विशेषज्ञ

सुयश हॉस्पिटल
(NABH से मान्यता प्राप्त)
24 Hours Helpline
9926386660
कोटा-गुडियारी रोड, रायपुर
Ajay 9827144371



ओम हॉस्पिटल
आई सी यू विभाग

- इंफेक्शन रहित आधुनिक 22 बेड आई.सी.यू.
- अत्याधुनिक मशीनों द्वारा ईलाज
- विशेष प्रशिक्षित ICU टीम एवं नर्सिंग स्टाफ
- रोड एक्सीडेंट्स, सभी प्रकार के ट्रामा बर्न एवं इमरजेंसी ग्राहक चिकित्सा
- जहर, सर्पदंश, इलेक्ट्रिक शॉक

महबूबदेव रोड, रायपुर चौक, रायपुर (छ.ग.) ☎ 8370008551
खरोरा रोड, तिलुतला (छ.ग.) ☎ 9302734809
ससयापाही (छ.ग.) ☎ 8370008558
जगदलपुर (छ.ग.) ☎ 8435908123
#Rajesh



ओम हॉस्पिटल
आई सी यू विभाग

दुर्घटना, साइटिका, गादिया, हड्डियों का दर्द, मांसपेशियों में सूजन, जकड़न, आमवात, संघिवात और मोच में भी लाभदायक एक बार अवश्य आजमायें।
Customer Care - 9112637000, 9823286830

अस्थमा • टीबी • फेफड़ों के रोग

श्वसन रोग विशेषज्ञ — अब संजीवनी में

WELCOME TO THE TEAM!



डॉ. पलाश सक्सेना
MBBS, MD (Respiratory Medicine)
कंसल्टंट पल्मोनोलॉजिस्ट
☎ +91 9096041133

श्वसन एवं फेफड़ों के रोगों के लिए विशेषज्ञ सेवाएं:

- अस्थमा एवं एलर्जिक श्वसन रोगों का उपचार
- टीबी से संबंधित श्वसन विकार एवं स्लीप डिस्ऑर्डर्स
- COPD एवं सांस फूलने की समस्या
- पल्मोनरी हाइपरटेंशन, व्यावसायिक फेफड़ों के रोग
- ILD (इंटरस्टिशियल लंग डिजीज)
- श्वसन संबंधी गंभीर रोगों एवं Respiratory Critical Care
- फेफड़ों के संक्रमण एवं टीबी
- फेफड़ों की डिजनीज (फेफड़ों की झिल्ली के रोग)
- फेफड़ों का कैंसर
- ब्रोंकोस्कोपी एवं इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी
- दोहाथोस्कोपी



संजीवनी
सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल

दावड़ा कॉलोनी, पंचपेड़ी नाका, रायपुर, 7389905010, 7389904010

विशेष अवसर JAIN CHUSKI® चाय

एक स्थापित एवं पंजीकृत ब्रांड को अपना बनाने का शानदार अवसर !

JAIN CHUSKI® चाय एक Registered Trademark एवं Copyright Protected Brand है, जिसे अब ब्रांड के अधिकारों एवं शानदार स्थापित मार्केट के साथ बिक्की हेतु उपलब्ध कराया जा रहा है। यह उन व्यवसायियों, निवेशकों एवं उद्यमियों के लिए एक बेहतरीन अवसर है जो एक पहचान रखने वाले ब्रांड के साथ अपना व्यवसाय शुरू या विस्तार करना चाहते हैं।

ब्रांड की प्रमुख विशेषताएँ

- JAIN CHUSKI® - Registered Brand
- Copyright Protected
- ब्रांड की स्थापित पहचान
- व्यवसाय विस्तार के लिए उपयुक्त
- ब्रांड को अपने नाम से आगे बढ़ाने का अवसर
- इच्छुक खरीदार को आवश्यक अधिकार /दस्तावेज प्रक्रिया के अनुसार हस्तांतरित किए जा सकते हैं



क्यों खरीदें JAIN CHUSKI®?

नया ब्रांड शुरू करने में लगने वाले समय और मेहनत को कम करते हुए एक पहले से तैयार ब्रांड पहचान के साथ व्यवसाय को आगे बढ़ाने का अवसर प्राप्त करें। ब्रांड खरीदने में रुचि रखने वाले गंभीर एवं योग्य खरीदारों से संपर्क आमंत्रित हैं। JAIN CHUSKI चाय - अब आपके बिजनेस का अगला ब्रांड बन सकता है। बिक्की हेतु उपलब्ध | Serious Buyers Only

संपर्क - जैन ट्रेडर्स, आकृति विहार, अमलीडीह रायपुर (छ ग)
Mo. 90096 99633 Email: jainchuskitea@yahoo.com